रामपुर तिराहा के अमर बलिदानियों.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बॉलीवुड के गानों ने दिखाया... 11

वर्ष - 02, अंक - 181 | गाजियाबाद / शनिवार 03 अक्टूबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

एशियन गेम्स-26 में भारतीय मुक्केबाजों का 'गोल्डन' पंच

लवलीना और परवीन के बाद अंकुश ने भी जीता सोना

रेसलर सुजीत कलकल भी छाए, लगाया गोल्डन दांव

नागोया (एजेंसी)। एशियन गेम्स में शुक्रवार का दिन भारत के लिए बहुत ही शुभ रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने एक मिनट के अंदर 2 गोल्ड मेडल जीते। बॉक्सर अंकुश पंघाल ने पुरुषों की 80 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। इससे ठीक एक मिनट पहले सुजीत कलकल ने रेसलिंग के पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में सोना अपने नाम किया। इससे पहले बॉक्सर परवीन हुड्डा ने विमेंस 65 किग्रा और लवलीना बोरगोहेन ने विमेंस 75 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। पहली बार 3 भारतीय मुक्केबाज एशियन गेम्स में चैंपियन बने हैं। सुबह भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने रिकर्व इवेंट में भी गोल्ड दिलाया।

विमेंस हॉकी को एशियाड में 44 साल बाद गोल्ड

भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में 44 साल बाद गोल्ड जीत लिया। टीम ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराया। भारत के लिए एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने किया। इससे पहले भारत ने 1982 में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड जीता था। भारत की महिला हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीत लिया है।

- **सुजीत कालकल ने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में जीता गोल्ड-** भारत के सुजीत कालकल ने पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीत लिया। फाइनल में सुजीत ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कुदिएव को 10-9 से हराया। मुकाबले में एक समय सुजीत 2-9 से पीछे थे और सिर्फ 1 मिनट 40 सेकंड का खेल बाकी था। इसके बाद उन्होंने लगातार टेकडाउन किए और तेजी से तीन बार 2-2 अंक जुटाकर स्कोर 8-9 तक पहुंचा दिया। आखिरी 11 सेकंड में सुजीत ने एक और टेकडाउन किया।

अंतरिक्ष से ही तस्वीरों को समझकर तुरंत जानकारी भेजेगा

भारत एआई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला चौथा देश बना

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत ने ऐसा पहला एआई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है, जो सिर्फ तस्वीरें खींचकर धरती पर नहीं भेजेगा, बल्कि उनका एनालिसिस भी स्पेस में ही करेगा। इससे बॉर्डर निगरानी और आपदा में मदद मिलेगी। साथ ही तस्वीरों और डेटा को धरती तक भेजने में लगने वाला समय और खर्च कम होगा। हैदराबाद की कंपनी टेकमीटूस्पेस का एमओआई-1ए सैटेलाइट स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्टर-18 मिशन से रात 11.48 बजे लॉन्च किया गया। कंपनी के मुताबिक यह भारत का पहला ऑर्बिटल कंप्यूटिंग सैटेलाइट है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और चीन के बाद भारत ऐसी क्षमता वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।

अंतरिक्ष में ही डेटा की छंटाई करेगा सैटेलाइट- अभी सैटेलाइट से मिलने वाला डेटा पहले धरती पर भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच और विश्लेषण होता है। नए सैटेलाइट में यह काम अंतरिक्ष में ही किया जा सकेगा। कंपनी के मुताबिक अगर किसी सैटेलाइट ने 300 जीबी डेटा जुटाया है और उसमें से केवल 5 जीबी जानकारी काम की है।

संक्षिप्त समाचार

धर्म संकट में आया तो देश भुगतेगा खामियाजा

- भागवत बोले-धर्म और राष्ट्र अलग-अलग नहीं, दोनों एक-दूसरे पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा। मोहन भागवत ने कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक मौजूद है, तो दूसरा भी मौजूद है। अगर एक नहीं है, तो दूसरा भी नहीं है। भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन खोज रही है।

भारत से ही हर समस्या का समाधान

भारत ने दूसरे देशों पर कब्जा करने या लोगों का धर्म बदलने की कोशिश किए बिना अपना ज्ञान दुनिया से साझा किया। दुनिया जानती है कि रास्ता भारत से निकलेगा। भारत के पास वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता जैसी विशाल ज्ञान परंपरा है। इसमें जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतों की शिक्षाएं भी शामिल हैं।

पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ का बड़ा ऐक्शन

दो पाकिस्तानी घुसपैठिये मारे गए, भारतीय इलाके में घुसने की कर रहे थे कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने शुक्रवार दिन में दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को ढेर कर दिया। ये कार्रवाई दिन के करीब 12 बजे की है। अधिकारियों के मुताबिक, इंटरनेशनल बॉर्डर पार करके दो पाकिस्तानी घुसपैठिये भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान बीएसएफ की टीम ने उन्हें देख लिया। जैसे ही जवानों को उन

पर शक हुआ तो बीएसएफ ने कार्रवाई की, जिसमें दो पाकिस्तानी घुसपैठिये मारे गए। बीएसएफ से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तानी घुसपैठिये दोपहर करीब 12 बजे पंजाब के तरनतारन इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, घुसपैठियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पूरे मामले में पंजाब पुलिस, बीएसएफ के साथ मिलकर आगे की कार्रवाई में जुटी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है।

बॉर्डर पर संदिग्ध हलचल के बाद बीएसएफ की कार्रवाई

अधिकारियों के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ जवानों ने दोपहर के समय इलाके में कुछ संदिग्ध हलचल देखी। जवानों ने चेतावनी दी, नहीं माने तो गोली मार दी।

एसआईआर के बाद छूटे नामों पर फोकस

- 20 राज्यों में विशेष अभियान चलाएगा चुनाव आयोग
- एसआईआर में छूटे और नए मतदाताओं के नाम जुड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पूरा कर चुके 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव आयोग विशेष अभियान चलाएगा। इसमें एसआईआर के दौरान छूटे लोगों और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने यह निर्देश 29 सितंबर को लिखित रूप में दिया था। गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी इसे दोहराया गया। पहले और दूसरे फेज में 13 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, तीसरे फेज में 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित

प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया जारी है। इनमें से 7 राज्यों में लिस्ट जारी हो चुकी है। हालांकि, ईसी ने तीसरे फेज के 7 राज्यों के नाम नहीं बताए हैं। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा दो करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से बाहर हुए हैं।

हटाए गए नामों की भी जांच होगी

इसके अलावा आयोग ने ईसीआईनेट की समीक्षा के लिए एक कमेटी बनाने का फैसला किया है। इसमें आईआईटी या आईआईआईटी का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ भी शामिल होगा। जरूरत के मुताबिक सॉफ्टवेयर में बदलाव किए जाएंगे। चुनाव आयोग इस मामले में तैयारी कर चुका है।

महाराष्ट्र के अमरावती में भीषण सड़क हादसा

- ट्रक-पिकअप वैन की टक्कर, 7 लोगों की मौत

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, पिकअप में श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। पिकअप की रफ्तार कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। सभी घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

पीएम की तारीफ, हर भारतीय के लिए यह है गर्व का क्षण

- गृहमंत्री बोले-शांति प्रयासों के लिए पुतिन ने गांधी जयंती पर पीएम मोदी की प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक शांति के प्रयासों की प्रशंसा करना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

उन्होंने कहा कि गांधी जयंती के दिन पुतिन का यह बयान बताता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक शांति की सबसे भरोसेमंद आवाज बन गया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 23वें वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के मुख्य सत्र में प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वे हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं।

- **भारत वैश्विक शांति की सबसे भरोसेमंद आवाज-** केंद्रीय गृहमंत्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर लिखा, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से वैश्विक शांति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करना हर भारतीय को गौरवान्वित करने वाला क्षण है। पूरी दुनिया को शांति और अहिंसा का संदेश देने वाले महात्मा गांधी जी की जयंती के दिन आया यह बयान बताता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक शांति की सबसे भरोसेमंद आवाज बन चुका है। अमित शाह ने लिखा, युद्ध, तनाव और अस्थिरता के इस दौर में पीएम मोदी ने पूरे विश्व को संदेश दिया है कि समाधान युद्धभूमि पर नहीं, संवाद और कूटनीति से निकलता है।

तमिलनाडु में हाईवे बोर्ड पर हिंदी लिखने पर 2 अधिकारी सस्पेंड

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने शुक्रवार को नेशनल हाईवे साइनबोर्ड पर हिंदी लिखने के मामले में दो असिस्टेंट इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया। मामला तूतीकोरिन के सत्तानकुलम-नाजरेथ स्टेट हाईवे का है, जहां नए साइनबोर्ड पर तमिल और अंग्रेजी के साथ कस्बों के नाम हिंदी में भी लिखे गए थे। तमिलनाडु सरकार के मुताबिक यह राज्य की दो-भाषा नीति का उल्लंघन है। हिंदी हटाने के साथ दोनों अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। 2026 में हिंदी में लिखे नाम मिटाने का तीसरा मामला है। इससे पहले मार्च में तिरुचिरापल्ली डिविजनल रेलवे ऑफिस के नए भवन के एंट्री गेट पर लिखा कर्तव्य द्वार मिटाया गया था। मार्च में ही सिंगानल्लूर रेलवे स्टेशन पर हिंदी में लिखे सिंगानल्लूर को द्रविड़ियन दलों के कार्यकर्ताओं ने काला कर दिया था।

गोंडा में 25 हजार लोग फंसे, बिहार में 3.65 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, मंदिरों-स्कूलों में भरा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। लखनऊ के निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों में भी पानी घुस गया है। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी है। गलियों में नावें चल रही हैं। दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई है। नेपाल से पानी आने और 10 तटबंधों के टूटने से बिहार के 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। 253 गांवों में पानी घुस गया है। इससे 3.65 लाख लोग प्रभावित हैं। 44 हजार लोग घर छोड़ चुके हैं। तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में 6-7 अक्टूबर को मैदानी इलाकों में तेज बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में 2-3 दिनों में मानसून विदा हो सकता है। राजस्थान के बीकानेर में बारिश हो सकती है। मानसून में 22 फीसदी कम बारिश हुई।

यूपी में 15 नदियां उफनाईं गोंडा में 30 गांव टापू बने

यूपी में बारिश थम गई है, लेकिन नदियां अब भी उफान पर हैं। गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। हजारों बीघे धान की फसल डूब गई। सड़कें जलमग्न हैं। घरों-दुकानों में पानी भर गया है। लखनऊ में सई-गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। सड़कें जलमग्न हैं। बाराबंकी में सरयू उफान पर है। 1100 साल पुराने बाबा नारायण दास मंदिर का एक हिस्सा 4 दिन से नदी में लटका है। कुशीनगर में गंडक नदी लगातार कटान कर रही है। 48 घंटे में 6 रिहायशी झोपड़ियां और 2 पक्के मकान नदी में समा चुके हैं। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं।

पीएम मोदी से वीडियो कॉल पर बोले पायलट स्मित मछार

मैं घायल था, लेकिन यात्रियों को मरते नहीं देख सकता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार से वीडियो कॉल पर बात की और एक बड़े विमान हादसे को टालने के लिए उनके अदम्य साहस की सराहना की। बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान के दौरान ओमानी मूल के को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर चाकू से हमला कर विमान को क्रैश कराने की कोशिश की थी। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने सूझबूझ से कॉकपिट का दरवाजा खोला, जिसके बाद यात्रियों और क्रू मेंबर्स ने हमलावर को काबू किया। बोइंग 737 मैक्स विमान मात्र 30 सेकंड में करीब 14,000 फीट नीचे आ गया था, जिसे विमान में मौजूद दो अन्य ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने संभालते हुए सऊदी अरब पहुंचाया।

- **गंभीर चोट के बाद भी आपने यात्रियों की जान को प्राथमिकता दी-** अस्पताल के बिस्तर से बात कर रहे कैप्टन स्मित से प्रधानमंत्री ने कहा कि आपके साहस, धैर्य और सूझबूझ ने अनगिनत लोगों की जान बचाई है। आप खुद गंभीर रूप से घायल थे और जिंदगी की जंग लड़ रहे थे, फिर भी आपने अपनी परवाह किए बिना यात्रियों की जान की चिंता की। आज आपके इस पराक्रम से 140 करोड़ भारतीयों का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि अगर यह विमान हादसा नहीं रुकता, तो न जाने भारतीय पायलटों और देश को किस तरह की प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ता। कैप्टन ने सभी की जान बचाकर एक असाधारण काम किया है।

यूसीसी लागू करने वाला गुजरात बना दूसरा राज्य

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिली मंजूरी, लागू हुआ कानून

मार्च, 2026 में विधानसभा से पास हुआ था यह बिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने को अपनी स्वीकृति दे दी है। गुजरात में भूपेंद्र पटेल की अगुवाई वाली सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता कानून को विधानसभा में पारित करके राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा था। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात दूसरा राज्य हो गया है जहां पर यूनिफॉर्म सिविल कोड प्रभावी हो गया है। देश में सबसे पहले उत्तराखंड में यूसीसी लागू हुआ था। कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि केंद्र सरकार 2029 से पहले सभी एनडीए शासित राज्यों में यूसीसी लागू करेगी। गुजरात में बीजेपी ने इसे 2022 विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में रखा था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद, गुजरात भारत का दूसरा ऐसा राज्य बन गया है जिसे यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की मंजूरी मिली है। गुजरात में आदिवासी समाज को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। गुजरात विधानसभा ने मार्च में साढ़े सात घंटे की लंबी चर्चा के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पास किया था।

रामपुर तिराहा के अमर बलिदानियों को मुख्यमंत्री धामी ने दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार (शिखर समाचार)। रामपुर तिराहा कांड की 32वीं बरसी के अवसर पर शुक्रवार को शहीद स्थल रामपुर तिराहा पर उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी शहीदों की पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने राज्य आंदोलन के शहीदों की स्मृतियों को संरक्षित करने और उनके योगदान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य आंदोलन में शहीद हुए जिन आंदोलनकारियों की प्रतिमाएं अभी तक स्थापित नहीं हुई हैं, उनकी प्रतिमाएं उनके पैतृक गांव अथवा निवास क्षेत्र में उपयुक्त स्थान पर स्थापित की जाएंगी। उन्होंने रामपुर तिराहा स्थित राज्य अतिथि गृह के उच्चीकरण, स्मारक परिसर के पुस्तकालय को ई-पुस्तकालय के रूप में विकसित करने तथा संग्रहालय के विस्तार की घोषणा भी की। संग्रहालय में उत्तराखंड के पारंपरिक वाद्य यंत्रों, वेशभूषा और लोक संस्कृति से जुड़ी सामग्री प्रदर्शित की जाएगी। उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों के पुनः चिन्हीकरण की प्रक्रिया जल्द पूरी करने की बात भी कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक और दो अक्टूबर 1994 की रात दिल्ली जा रहे राज्य आंदोलनकारियों के साथ रामपुर तिराहा में हुई घटना उत्तराखंड आंदोलन के इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है। खटीमा, मसूरी, रामपुर तिराहा और श्रीनगर सहित विभिन्न स्थानों पर आंदोलनकारियों ने बलिदान दिया, जिसके बाद पृथक उत्तराखंड राज्य अस्तित्व में आया। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के सम्मान एवं हितों के लिए कार्य कर रही है। राज्य आंदोलनकारियों एवं उनके आश्रितों को राजकीय सेवाओं में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण, निःशुल्क बस यात्रा और अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने रामपुर तिराहा कांड के शहीदों की प्रतिमाओं की स्थापना के कार्य का शिलान्यास भी किया। उन्होंने बताया कि प्रतिमाओं की स्थापना के लिए 27 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, विधायक वंदना, पूर्व विधायक अशोक कंसल, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित बड़ी संख्या में राज्य आंदोलनकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

तिहाड़ जेल में गैंगस्टरों का हंगामा, बाली और ढिल्लू ने अधिकारियों से की हाथापाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल के उच्च सुरक्षा वार्ड में बंद कुख्यात गैंगस्टर नवीन बाली और संदीप उर्फ ढिल्लू ने जेल प्रशासन के खिलाफ बड़ा हंगामा किया है। सितंबर के आखिरी हफ्ते में हुई घटना के दौरान दोनों कैदियों ने न केवल जेल अधिकारियों के साथ हाथापाई की, बल्कि उन्हें जान से मारने की गंभीर धमकियां भी दीं। इस हाई-प्रोफाइल घटना से जेल परिसर में अफरा-तफरा मच गई। घटना की शुरुआत तब हुई जब ढिल्लू ई-मुलाकात के जरिए अपने परिवार के सदस्यों से बात कर रहा था। बातचीत के दौरान वह अचानक अत्यधिक आक्रामक हो गया और जेल कर्मचारियों को गालियां देने लगा। विरोध करने पर उसने कर्मचारियों पर हमला करने का प्रयास किया और दहशत का माहौल पैदा किया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब उसने अपना सिर दरवाजों, दीवारों और एक कूलर पर पटक-पटककर खुद को घायल करने की कोशिश की। जेल कर्मियों को अंदेशा हुआ कि ढिल्लू नशे की हालत में है, जिसके बाद उसका यूरिन टेस्ट कराया गया। कर्मचारियों ने तुरंत सूझबूझ दिखाकर हस्तक्षेप किया और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए परिवार से बातचीत पूरी करवाई। बातचीत खत्म होने के बाद जब उसे अपने ब्लॉक में लौटने के निर्देश दिए गए, तो उसने और उसके साथी नवीन बाली ने मिलकर वार्ड अधिकारियों व जेल अधीक्षकों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। दोनों गैंगस्टरों की इस हरकत को जेल प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर माना है। अधिकारियों ने कैदियों के इस अनुशासनहीन, आक्रामक आचरण और खुद को चोट पहुंचाने की कोशिश के पीछे की पूरी परिस्थितियों की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। जेल के भीतर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

भुवनेश्वर बम विस्फोट मामले में एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट, दो आरोपी नामजद

भुवनेश्वर (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जनवरी में भुवनेश्वर के सुंदरपाड़ा इलाके में हुए बम विस्फोट मामले में दो आरोपियों के खिलाफ विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने बताया कि दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। इस विस्फोट में 2 लोगों की मौत हुई थी और एक इमारत को नुकसान पहुंचा था। एनआईए के अनुसार, घटना 27 जनवरी को न्यू आजादनगर में हुई थी। दोपहर करीब 2-45 बजे चार लोग कथित तौर पर विस्फोटक तैयार कर रहे थे, तभी अचानक धमाका हो गया। घटना में चारों घायल हुए थे, जिसमें से बाद में दो की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सहनवाज मलिक और उसकी मां लिजातुन बीबी के रूप में हुई है। मलिक की चार फरवरी और उसकी मां की 10 फरवरी को मौत हुई थी। आरोपपत्र में सानू उर्फ रोहन रंजन राउत और अमिया रंजन मल्लिक को आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि आरोपी अवैध तरीके से विस्फोटक सामग्री हासिल करने की साजिश में शामिल थे और बम तैयार करने के दौरान विस्फोट हुआ। एनआईए ने चार अप्रैल को मामले की जांच अपने हाथ में लेकर प्राथमिकी दोबारा दर्ज की थी। राउत को 18 जुलाई को गिरफ्तार किया गया, जबकि अमिया रंजन मल्लिक को उड़ीसा उच्च न्यायालय से गिरफ्तारी पर अंतरिम संरक्षण मिला था। एजेंसी ने जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर दोनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

बीजेपी नेता की हत्या की खौफनाक साजिश, पत्नी सहित 6 गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के लोकल नेता की हत्या की एक खौफनाक साजिश का खुलासा किया है। इस सनसनीखेज मामले में नेता की पत्नी सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह खुलासा तब हुआ जब पुलिस नेता की जली हुई बाइक की जांच कर रही थी। मामले की शुरुआत 13 सितंबर को हुई, जब बीजेपी मंडल अध्यक्ष मुनिराजू की बाइक को अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। मुनिराजू की शिकायत के बाद पुलिस ने पहले इस संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का सामान्य मामला माना। शुरुआती जांच में राजनीतिक विवाद या विनायक चतुर्थी के फ्लेक्स विवाद जैसे कोणों पर जांच की गई। हालांकि, कोई ठोस सबूत न मिलने पर जांचकर्ताओं ने दिशा बदलते हुए इलाके के सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल डेटा/लोकेशन खंगालना शुरू किया। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने बाइक जलाने में शामिल पांच संदिग्धों साई, उदय किरण, लीला कृष्णा, पृथ्वीराज और हरीश की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने कबूल किया कि यह केवल बाइक जलाने का मामला नहीं, बल्कि मुनिराजू की हत्या की एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। चौंकाने वाले खुलासे में, बीजेपी नेता मुनिराजू की पत्नी प्रशांती को पूरी साजिश का मुख्य सूत्रधार पाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रशांती अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। सोशल मीडिया चैट और डिजिटल फॉरेंसिक रिकॉर्ड से पुष्टि हुई कि प्रशांती मुख्य आरोपी साई के साथ लगातार संपर्क में थी। वह साई के साथ अपने पति की हर छोटी-बड़ी जानकारी और मूवमेंट साझा करती थी और उनकी हत्या के लिए कई बार योजनाएं बनाई गई थीं।

राम मंदिर के सभी कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन और चरित्र प्रमाणपत्र अनिवार्य

अयोध्या (एजेंसी)। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में कार्यरत सभी कर्मचारियों के पुलिस सत्यापन और चरित्र प्रमाणपत्र को अनिवार्य किया है। मंदिर कमेटी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कर्मचारियों को अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों सहित अन्य जरूरी व्यक्तिगत जानकारी भी मंदिर प्रशासन को उपलब्ध करानी होगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मंदिर की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करना है। मंदिर प्रशासन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कर्मचारियों के पुलिस सत्यापन के साथ पुलिस की ओर से जारी चरित्र प्रमाणपत्र भी प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा है। इसके अलावा कर्मचारियों से उनके पारिवारिक और अन्य संबंधित विवरण लिए जाएंगे। यह अभियान पिछले महीने पदभार संभालने वाले नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। मंदिर में जून में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया है। इस मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया था और सभी आरोपी फिलहाल जेल में हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले में पिछले सप्ताह करीब 70 हजार पन्नों का आरोपपत्र भी दाखिल किया गया। ट्रस्ट के सदस्य दिनेंद्र दास ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से लिए जाने वाले निर्णय मंदिर से जुड़े सभी लोगों को स्वीकार्य होंगे। उन्होंने कहा कि मंदिर में पूजा-पाठ सुचारू रूप से चल रहा है और श्रद्धालुओं की संख्या भी लगातार बनी हुई है। दिनेंद्र दास के मुताबिक, मंदिर में दान की व्यवस्था भी ठीक तरीके से संचालित हो रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और आरती के लिए अयोध्या पहुंच रहे हैं। ट्रस्ट के नए सत्यापन अभियान के तहत मंदिर परिसर से जुड़े कर्मचारियों की पृष्ठभूमि और व्यक्तिगत विवरणों की जांच की

सीएम विजय बने कंडेक्टर, यात्रा कर रही महिला के खुद काटे मुफ्त टिकट

चेन्नई , एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने राज्य भर में महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए मुफ्त बस यात्रा का विस्तार कर वेट्री पयनम तोट्टम योजना के नए चरण का शुभारंभ किया। गांधी जयंती के मौके पर चेन्नई में योजना की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री विजय ने खुद बस से यात्रा की और यात्रियों के लिए मुफ्त टिकट भी काटे। इस दौरान बस में सफर कर रहे कॉलेज छात्रों ने मुख्यमंत्री के साथ डेयरी मिल्क चॉकलेट साझा की, जिससे एक सुखद माहौल बन गया।

इस विस्तार के तहत, अब महिलाएं और ट्रांसजेंडर समुदाय राज्य परिवहन निगमों (एसटीसी) द्वारा संचालित 12,695 बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती है। इसमें एक्सप्रेस, डीलक्स और चुनिंदा पहाड़ी क्षेत्रों की सेवाएं भी शामिल की गई हैं, जो पहले केवल कुछ सीमित श्रेणी की साधारण बसों तक ही सीमित थीं। राज्य सरकार के अनुसार, इस योजना से प्रतिदिन करीब 84.32 लाख महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। इस सुविधा के लिए कोई

आय सीमा तय नहीं की गई है और एक दिन में यात्राओं की संख्या पर भी कोई प्रतिबंध नहीं है। वेट्री पयनम नाम सत्ताधारी दल तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) से प्रेरित है, जिसका अर्थ विजयी यात्रा है।

राज्य के परिवहन मंत्री ए.विजय तमिलन पार्थिबन ने इस पहल का मुख्य उद्देश्य बताया कि यह सुनिश्चित करना है कि परिवहन लागत महिलाओं और ट्रांसजेंडरों की शिक्षा, रोजगार, आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण के रास्ते में बाधा न बने। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम समानता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि यात्रा के अधिकारों में कोई भेदभाव न हो।

गांधी-शास्त्री जयंती पर एमडीडीए में गूंजा सत्य, अहिंसा और सादगी का संदेश

अधिकारियों-कर्मचारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा का लिया संकल्प

देहरादून (शिखर समाचार। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी एवं सचिव मोहन सिंह बर्निया सहित अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया।

इसके बाद आयोजित विचार गोष्ठी में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज को नई दिशा दी, जबकि लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा से सार्वजनिक जीवन में आदर्श स्थापित किए।

गांधी के विचार आज भी प्रासंगिक : बंशीधर तिवारी

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर

आधारित रहा। उनके विचार आज भी समाज में शांति, सद्भाव और मानवता की भावना को मजबूत करने में प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि गांधी ने स्वच्छता को केवल व्यक्तिगत आदत नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी माना। उनके आदर्शों को व्यवहार में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

सादगी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल थे शास्त्री : मोहन सिंह बर्निया

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने लाल बहादुर शास्त्री के जीवन को याद करते हुए कहा कि उनकी सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी प्रेरणा देता है। सीमित साधनों और सरल जीवनशैली के बावजूद उन्होंने अपने आचरण और निर्णयों से नेतृत्व की मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि शास्त्री का ह्यजय जवान, जय किसानह्न का संदेश देश की सुरक्षा और कृषि क्षेत्र में जवानों एवं किसानों के योगदान के महत्व को रेखांकित करता है।

कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों को जीवन एवं कार्यशैली में अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्राधिकरण के विभिन्न अनुभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

घुसपैठ नाकाम : बीएसएफ ने 2 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब के तरनतारन सेक्टर में शुक्रवार देर रात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बड़ी कामयाबी मिली, जब बीएसएफ जवानों ने भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो पाकिस्तानी नागरिकों को मार गिराया। यह घटना तरनतारन सेक्टर के राजोके गांव के पास स्थित सीमा चौकी (बीओपी) के इलाके में हुई, जहां सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान की ओर से बड़ी घुसपैठ को नाकाम किया। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान के चट्टनवाले इलाके से करीब तीन लोग भारतीय सीमा की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। भारतीय इलाके में घुसपैठ करते हुए उन्हें सीमा सुरक्षा में तैनात बीएसएफ के जवानों ने देख लिया। जवानों ने तुरंत उन्हें चेतावनी देकर रुकने का आदेश दिया। हालांकि, घुसपैठियों ने चेतावनी को नजरअंदाज कर भारतीय क्षेत्र में आगे बढ़ना जारी रखा। इसके बाद, स्थिति की गंभीरता को देखकर बीएसएफ जवानों ने बिना देर किए फायरिंग शुरू की। इस जवाबी कार्रवाई में दो घुसपैठिए मौके पर ही मारे गए। वहीं, एक अन्य घुसपैठिया फायरिंग के दौरान वापस पाकिस्तान की तरफ भागने में कामयाब रहा। बीएसएफ की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। सुरक्षाबल लगातार क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि किसी भी अन्य संभावित खतरे का पता लगाया जा सके।

दीदी के खाते में पैसे डालते थे मंत्री, उसे रॉयल्टी बोलते थे

दुर्गा पूजा कथित घोटाले में ईडी का बड़ा दावा

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा से जुड़े एक कथित घोटाले की जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़ा दावा किया है। जांच एजेंसी का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खाते में रॉयल्टी के तौर पर रकम डाली गई थी। यह मामला राज्य के पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन से जुड़ा है, जिन पर 85 करोड़ रुपये के टेंडर अपने करीबियों को दिलाने और रकम के हेरफेर का आरोप है। ईडी ने हाल ही में इंद्रनील सेन के ठिकानों पर छापेमारी की थी और बाद में उन्हें पूछताछ के लिए भी बुलाया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईडी का दावा है कि मंत्री रहते हुए इंद्रनील सेन ने 85 करोड़ रुपये के टेंडर अपने करीबी ध्रुवज्योति बसु और दीपेश रॉय को दिलाए थे। आरोप है कि बाद में यह रकम सेन के कई रिश्तेदारों की कंपनियों में भेजी गई। ईडी ने यह भी कहा है कि मंत्री रहने के दौरान सेन की अपनी कंपनी में 3.8 करोड़ रुपये जमा किए गए थे। जांच एजेंसी का दावा है कि इंद्रनील सेन की कंपनी ऑक्टेव

रिकॉर्ड्स के बैंक खाते से लगभग 30 लाख रुपये बैंकिंग माध्यम के जरिए तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हस्तांतरित किए गए थे। इंद्रनील सेन ने इस राशि को रॉयल्टी के रूप में भुगतान किए जाने का दावा किया है। हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में इस विशेष लेनदेन को लेकर किसी आपराधिक कृत्य का आरोप नहीं लगाया है। इस केस के केंद्र में मासआर्ट सोसाइटी भी है, जिसकी शुरुआत सेन की पत्नी मधुचंदा ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर की थी। आरोप हैं कि साल 2022 से 2025 तक, तीन सालों के दौरान दुर्गा पूजा के नाम पर लोगों से वसूली की गई। इसके लिए सोसाइटी को यूनेस्को से जुड़ा और अधिकृत पार्टनर के तौर पर पेश किया गया था। जांच एजेंसी ने बताया कि मासआर्ट के जरिए कोलकाता के 24 दुर्गा पूजा पंडालों में आयोजित प्रीव्यू शो के लिए आम लोगों को 1,749 रुपये से 5,499 रुपये तक के टिकट बेचे गए। आरोप है कि इस दौरान यूनेस्को के नाम का गलत इस्तेमाल किया गया और अनाधिकृत रूप से अपने सोसाइटी के साथ नाम जोड़ा गया। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम पहली बार सामने आया है। हालांकि, उनके खिलाफ किसी आपराधिक मामले में सीधे तौर पर जांच या मामला दर्ज होने की बात नहीं कही गई है, बल्कि उनका नाम महज एक लेनदेन के संदर्भ में आया है। सितंबर के अंत में ईडी ने सेन से जुड़े कई ठिकानों पर दबिश दी थी, जिसकी जांच 15 घंटे से अधिक समय तक चली। इसके बाद सेन को पूछताछ के लिए भी बुलाया गया था। वहीं, ममता गुट ने इन जांचों को पक्षपातपूर्ण बताते हुए आरोप लगाया है कि 98 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ दर्ज किए गए हैं।

खन्ना नगर में गांधी-शास्त्री जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

हरिद्वार (शिखर समाचार)। महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर खन्ना नगर स्थित कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक के शिविर कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सत्याग्रह के सिद्धांतों तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, साहस और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को याद किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देशवासियों को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ा तथा समाज में शांति, सद्भाव और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण के माध्यम से देशसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। दोनों महापुरुषों का जीवन आज भी देशवासियों को प्रेरणा देता है। भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने कहा कि महात्मा गांधी का संपूर्ण जीवन सत्य, अहिंसा, त्याग और राष्ट्रसेवा का संदेश देता है। उन्होंने सत्य और अहिंसा के माध्यम से

देशवासियों को स्वतंत्रता आंदोलन में एकजुट किया। उनके विचार आज भी समाज को शांति, सद्भाव, स्वच्छता और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने दोनों महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने तथा राष्ट्रहित, समाजसेवा और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अधिवक्ता राज कुमार अरोड़ा, मंडल अध्यक्ष तुषांक भट्ट, राजेंद्र कटारिया, महामंत्री राकेश नौडियाल, मंडल मंत्री ममता सैनी, मीनाक्षी मित्तल, मोनिका चौहान, मनोज वर्मा, धीर सिंह, लक्ष्मण कटारिया, सुशांत गुप्ता और राहुल शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कॉकरोच के प्रदर्शन पर सीएम फडणवीस का हमला: फेक नैरेटिव का पर्दाफाश हो चुका है

मुंबई , एजेंसी।
मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ किए प्रदर्शन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने प्रदर्शन को फेक नैरेटिव फैलाने का विफल प्रयास बताकर स्पष्ट किया कि इसका पर्दाफाश हो चुका है। सीएम फडणवीस ने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्तों की प्रेसवार्ता के बाद ही यह फेक नैरेटिव उजागर हो चुका है और इस आगे बढ़ाने के प्रयास सफल नहीं होगा। सीईसी कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर मुंबई के शिवाजी पार्क के आसपास शुक्रवार को बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। पुलिस द्वारा प्रदर्शन की इजाजत न दिए जाने के बावजूद, सीजेपी ने इसके आयोजन का आह्वान किया था। पुलिस और अन्य एजेंसियां मध्य मुंबई में दादर स्टेशन और शिवाजी पार्क के आसपास मुस्तैद रहीं, और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए रणनीतिक स्थानों पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। शिवाजी पार्क की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों पर बैरिकेड लगाए गए थे। इस बीच, इलाके के निवासियों ने अपने आवासीय क्षेत्र में इस तरह के प्रदर्शनों के आयोजन का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे उनके इलाके की शांति और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। सीजेपी के संयोजक अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश को देशद्रोही करार देकर उनके तत्काल इस्तीफे और उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग दोहराई। उन्होंने आगाह किया कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तब देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू किए जाएंगे, जिसकी शुरुआत अक्टूबर के अंत से दिल्ली के जंतर-मंतर पर होगी। दीपके ने स्पष्ट किया कि सीजेपी 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन में शामिल नहीं होगी, बल्कि यह उनका एक स्वतंत्र आंदोलन रहेगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उन्होंने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

मुंबई पुलिस की ओर से प्रदर्शन की इजाजत न मिलने पर दीपके ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर पलटवार किया। दीपके ने सवाल किया कि अगर फडणवीस शिवाजी पार्क में राजनीतिक रैली कर सकते हैं, तब सीजेपी वहां प्रदर्शन क्यों नहीं कर सकती। उन्होंने असहमति को लोकतंत्र का अहम हिस्सा बताया और कहा कि वह तीन महीने तक जेल में रहने के

लिए तैयार हैं। यह बात उन्होंने फडणवीस की उस पूर्व चेतावनी के संदर्भ में कही थी, जिसमें उन्होंने प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तारी की स्थिति में जमानत मिलने में लगने वाले समय के बारे में बताया था।

गाजियाबाद नगर निगम ने मचाया धमाल, जन शिकायतों के निस्तारण में फिर प्रदेश में नंबर वन

शिकायतों के समाधान में लगातार बेहतर प्रदर्शन, त्वरित प्रतिक्रिया दल की सक्रियता से शहरवासियों को मिल रही राहत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जन समस्याओं के त्वरित समाधान के मामले में गाजियाबाद नगर निगम ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश के 17 नगर निकायों में प्रथम स्थान हासिल किया है। एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के तहत निगम के नंबर वन आने पर महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम को बधाई दी। निगम अधिकारियों के अनुसार जन शिकायतों के समाधान की लगातार निगरानी की जा रही है और शिकायतकर्ता से समाधान के बाद प्रतिक्रिया भी ली जा रही है।

एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के साथ विभिन्न माध्यमों से मिल रही शिकायतें

नगर आयुक्त ने बताया कि नागरिक जनसुनवाई के अलावा नगर निगम के 311 मोबाइल अनुप्रयोग, कॉल सेंटर, ई-मेल, सामाजिक माध्यमों, समाचार पत्रों, पत्राचार, वाट्सऐप और एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से अपनी समस्याएं संबंधित विभागों तक पहुंचाते हैं। जलकल, उद्यान, निर्माण, स्वास्थ्य, प्रकाश, कर, संपत्ति सहित अन्य विभागों द्वारा शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। शिकायतों के निस्तारण की निगरानी विभागीय अधिकारियों के साथ अपर नगर आयुक्त स्तर से भी की जा रही है।

सितंबर में करीब तीन हजार शिकायतें, 2534 पर शासन ने लिया फीडबैक

नगर आयुक्त के अनुसार सितंबर माह में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से करीब तीन हजार शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 2534 शिकायतों पर शासन स्तर से शिकायतकताओं से सीधे प्रतिक्रिया ली गई। इसके आधार पर गाजियाबाद नगर निगम प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा। जून में निगम प्रथम, जुलाई में तीसरे और अगस्त में पांचवें स्थान पर रहा था। नगर निगम ने अब फिर से प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है।

त्वरित प्रतिक्रिया दल कर रहा मौके पर कार्रवाई

शहरवासियों को जल्द राहत देने के लिए नगर निगम ने त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित किया है। यह दल मौके पर पहुंचकर समस्याओं के समाधान में कार्रवाई करता है। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान निगम की प्राथमिकता है। पार्षदों का भी इसमें महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। उन्होंने सभी विभागों को शिकायतों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था को बनाए रखने और लगातार बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए।

इकड़ी में दौड़ प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

मेरठ (शिखर समाचार)। सिवालखास विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत इकड़ी में विभिन्न वर्गों की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 3000 मीटर, 1600 मीटर, 800 मीटर और 400 मीटर दौड़ में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंडित आदेश फौजी ने फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के साथ उन्हें बेहतर भविष्य की दिशा भी प्रदान करते हैं।

प्रतियोगिता के बाद मुख्य अतिथि ने विभिन्न दौड़ में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया। 3000 मीटर दौड़ में विवेक ने 9 मिनट 10 सेकंड का समय निकालकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। 1600 मीटर दौड़ में कपिल ने 4 मिनट 40 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। 800 मीटर दौड़ में राजू तथा 400 मीटर दौड़ में श्याम प्रथम स्थान पर रहे। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार मिलने पर उनके समर्थकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजनकताओं यश शर्मा और हर्ष शर्मा ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों और प्रतिभागी खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और उनमें खेलों के प्रति रुचि बढ़ती है। प्रतियोगिता के दौरान पवन त्यागी, प्रदीप शर्मा, योगेश गोस्वामी, आदेश कसाना, अभय, वंश, काशी, गुरमीत और कुणाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित, स्वच्छता कर्मियों का सम्मान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषद मोदीनगर की ओर से गांधी मैदान में श्रद्धांजलि एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक डॉ. मंजू शिवाच, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद वैशाली, अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र सहित सभासदगण और नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर स्वच्छता अभियान के तहत नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनके समर्पण, मेहनत और सेवाभाव की सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया गया। विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का संदेश देकर देश को नई दिशा दी। स्वच्छता केवल सरकार या किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम से शहर को स्वच्छ रखने का संकल्प साकार होता है।

नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने कहा कि गांधी के स्वच्छता संदेश को जन-जन तक पहुंचाना और उसे व्यवहार में उतारना सभी की जिम्मेदारी है। नगर पालिका की ओर से स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित मोदीनगर के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और नगर की स्वच्छता व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सभासद वेद प्रकाश चौधरी, सूबे सिंह, आलोक कौशिक, आदित्य बॉबी, सोनू चौधरी, जितेंद्र चौधरी, संदीप सांगवान, अरुण खन्ना, ललित सेन, संजय चौधरी, अर्जुन नेहरा, धर्मवीर सिंह सहित अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता कर्मी और नागरिक मौजूद रहे।

गांधी जयंती पर जीडीए में गूंजा रामधुन का स्वर, सत्य-अहिंसा और स्वच्छता के आदर्शों को अपनाने का संकल्प

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के कार्यालय परिसर में श्रद्धा, सादगी और गरिमापूर्ण वातावरण में गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकरण के उच्चाधिकारी, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह की शुरूआत महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने गांधी जी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके विचारों को अपने जीवन और कार्यशैली में अपनाने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान कार्यालय परिसर में रामधुन का आयोजन किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से रामधुन में सहभागिता की, जिससे परिसर का वातावरण श्रद्धा और आध्यात्मिक भाव से भर गया। वक्ताओं ने महात्मा गांधी के जीवन, संघर्ष और उनके विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी समाज एवं प्रशासन के लिए प्रासंगिक हैं। गांधी जी ने स्वच्छता को केवल व्यक्तिगत आदत नहीं, बल्कि स्वस्थ और सशक्त समाज की बुनियाद माना था। इसी भावना के अनुरूप स्वच्छता, पारदर्शिता, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा को कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया।

जीडीए सचिव विवेक कुमार मिश्रा ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा और जनसेवा के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उनके विचार प्रशासनिक कार्यप्रणाली को भी जनहित और कर्तव्यनिष्ठा की दिशा में आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी के आदर्शों को केवल स्मरण करने तक सीमित न रखते हुए उन्हें व्यवहार और कार्यशैली में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जीडीए अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि गांधी जी ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सुविधाओं का लाभ पहुंचाने की भावना को महत्व दिया। उनके सत्य, स्वच्छता और अहिंसा के संदेश आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जनहित को प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

आरक्षण व्यवस्था को लेकर छठे दिन भी धरना जारी, बच्चों ने खून से राष्ट्रपति को लिखा पत्र

हापुड़ (शिखर समाचार)। आरक्षण व्यवस्था सहित विभिन्न मांगों को लेकर सवर्ण समाज की ओर से धौलाना तहसील परिसर में शुरू किया गया आमरण अनशन शुक्रवार को छठे दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों ने मांगों के समर्थन में धरना देते हुए सरकार से आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा सहित अन्य मुद्दों पर सकारात्मक पहल की मांग की। इस दौरान धरना स्थल पर मौजूद कुछ बच्चों ने अपने खून से राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर अपनी मांगों की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। आंदोलनकारी युद्धि राणा ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा, एससी-एसटी एक्ट में संशोधन, यूजीसी के नए प्रावधानों को वापस लेना तथा सवर्ण आयोग का गठन शामिल है। उन्होंने कहा कि आरक्षण व्यवस्था और एससी-एसटी एक्ट की संवैधानिक समीक्षा कर आवश्यक संशोधन किए जाने चाहिए। शुक्रवार को दिनभर विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों के धरना स्थल पर पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। लोगों ने आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए मांगों को लेकर आवाज उठाई। आंदोलनकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों को लेकर सरकार की ओर से सकारात्मक पहल नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना स्थल पर युद्धि राणा, आकाश राणा, भूपेंद्र तोमर, ठाकुर शक्ति राणा, मनोज तोमर, ओमेंद्र तोमर, शिवकुमार राणा (मांगे लंबरदार), अधिवक्ता संजय तोमर, अधिवक्ता पृथ्वी सिंह, अजीत भदौरिया, रवि राणा, करण राणा, देव ठाकुर, हरिओम, गौरव, कपिल राणा, विशाल राणा, हरिओम राणा और अमित राणा समेत बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

गांधी-शास्त्री के विचारों को जीवन में उतारने का लिया संकल्प

जिलाधिकारी ने कहा- संघर्षों और बलिदानों से मिली आजादी की महत्ता को समझें

बिजनौर (शिखर समाचार)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को जनपद बिजनौर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान दोनों महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके विचारों और देश के प्रति योगदान को याद किया गया।

रामलीला मैदान के निकट स्थित महात्मा गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने गांधी जी के सत्य, अहिंसा और राष्ट्रसेवा के संदेश को याद किया। वहीं रोटरी क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन का आयोजन भी हुआ। इस दौरान महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों और देश के लिए किए गए योगदान पर प्रकाश डाला गया।

जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि देश को अनेक संघर्षों और बलिदानों के बाद आजादी मिली है। इसकी महत्ता को समझना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि सभी को देशहित में कार्य करते हुए महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। साथ ही अमर शहीदों के सपनों का भारत बनाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गांधी और शास्त्री जयंती पर कार्यक्रम, महापुरुषों के आदर्शों को अपनाने का आह्वान

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर नगर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर दोनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, देशसेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कोतवाली परिसर में निरीक्षक सुभाष अत्री ने पुलिसकर्मियों के साथ महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने दोनों महापुरुषों के विचारों को याद करते हुए सत्य, अहिंसा, सादगी और ईमानदारी के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

वहीं, बार एसोसिएशन के सभागार में बार अध्यक्ष सुरेशपाल वर्मा एवं महासचिव सुभाष राठी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। गोष्ठी में अधिवक्ताओं ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांधी ने असहयोग आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लाल बहादुर शास्त्री ने किसान और जवान के महत्व को रेखांकित करते हुए जय जवान, जय किसान का नारा दिया।

वक्ताओं ने कहा कि दोनों महापुरुषों का जीवन त्याग, सादगी, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश देता है। उनके विचार आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में पूर्व बार अध्यक्ष विनय बालियान, अशोक राठी, श्यामवीर सिंह, शौसिंह राणा, अंकित शर्मा, संजीव कुमार, प्रशांत शर्मा, अवध बिहारी गर्ग और ओमपाल मलिक सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

मेरठ कैंट में 'रक्षक संवाद' ने जोड़ा सेना, पूर्व सैनिक और मीडिया जगत

मेरठ कैंट/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। मेरठ कैंट में भारतीय सेना की ओर से 'रक्षक संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैन्य कर्मियों के साथ पूर्व सैनिकों, मीडिया कर्मियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य सेना, पूर्व सैनिकों और मीडिया एवं सोशल मीडिया जगत से जुड़े लोगों को एक साझा मंच पर लाकर राष्ट्रहित, जिम्मेदार संवाद और आपसी समन्वय को लेकर विचार-विमर्श करना रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सेना और समाज के बीच संवाद को और मजबूत बनाने, पूर्व सैनिकों के अनुभवों को साझा करने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से जिम्मेदार एवं तथ्यपरक संवाद को बढ़ावा देने पर चर्चा की। वक्ताओं ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए आपसी विश्वास और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने पर जोर दिया। 'रक्षक संवाद' में हापुड़, मेरठ और बुलंदशहर जनपदों से पूर्व सैनिकों एवं मीडिया कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम 56 एडी फील्ड रेजिमेंट की ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व 56 एडी फील्ड रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल नवीन शर्मा ने किया। आयोजन के माध्यम से सेना, पूर्व सैनिकों और मीडिया-सोशल मीडिया जगत के बीच बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित करने का संदेश दिया गया।

गांधी-शास्त्री जयंती पर कांग्रेस मुख्यालय में गूंजा सत्य, अहिंसा और सादगी का संदेश

बिजनौर (शिखर समाचार)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस मुख्यालय, बिजनौर में जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से संयुक्त श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया। उन्होंने कहा कि दोनों महान नेताओं का जीवन देश की एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और जनसेवा के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को गांधी और शास्त्री के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित एवं समाजसेवा के कार्यों में योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह, आरके सिंह, शहर अध्यक्ष हुमायूं बेग, विक्रम सिंह एडवोकेट, मोहम्मद अकबर, हुकुम सिंह, मीनू गोयल, मोहम्मद सलीम, हीरा देवी, हाजी नसीम अंसारी, मिथलेश वर्मा, गुलशन कुमार, कमरुन्निसा, मोहम्मद हनीफ, चितवन शर्मा, सविता सिंह, हिमांशु देवरा, धर्मवीर सिंह, मोहम्मद तारिक एडवोकेट, रमेश चंद्र वर्मा, राजीव कुमार, रईस अहमद, इस्लामुद्दीन, फारूक पठान, गुल सिताब एडवोकेट, अंशू सिंह, जफर हसनैन, शादाब अहमद, अब्दुल समद आजाद, ऋषिपाल सिंह, डॉ. एमए खान, शादीलाल मारवाड़ी, ध्यान सिंह, खालिद और सुकेश कुमार सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन तलाक और उत्पीड़न के आरोप में मुकदमा दर्ज पति पर तीन बच्चों समेत विवाहिता को घर से निकालने का आरोप, एसपी के आदेश पर नगीना पुलिस ने की कार्रवाई

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर नगीना पुलिस ने विवाहिता की तहरीर के आधार पर उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ तीन तलाक और उत्पीड़न समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला कलालान निवासी राबिया परवीन पुत्री मोहम्मद यूसुफ ने पुलिस अधीक्षक बिजनौर के.के. बिश्नोई को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि उसका निकाह करीब 12 वर्ष पूर्व थाना कोतवाली देहात क्षेत्र की रहमतुल्ला कॉलोनी निवासी रियासत अली पुत्र जहीर कुरैशी के साथ हुआ था। विवाहिता के तीन छोटे बच्चे हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उसका पति उसके साथ मारपीट करता आ रहा है। आरोप है कि बीती 17 सितंबर की शाम करीब छह बजे रियासत अली ने उसके साथ मारपीट की और तीन बार तलाक बोलकर उसे तीनों बच्चों सहित घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि मारपीट और उसे घर से निकालने की घटना में ससुराल पक्ष के अन्य लोग भी शामिल रहे। राबिया परवीन के मुताबिक, उसके पिता आर्थिक रूप से कमजोर और बीमार हैं, जिसके चलते वह काफी परेशानी में है। नगीना थाने में सुनवाई न होने का आरोप लगाते हुए उसने पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई और न्याय की गुहार लगाई थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए एसपी के आदेश पर नगीना पुलिस ने रियासत अली और उसके परिवार के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कृष्ण कुमार बिश्नोई, एसपी बिजनौर

नगर पालिका में श्रद्धा से मनाई गांधी-शास्त्री जयंती, पालिका कर्मियों ने किया श्रमदान

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद शामली में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण से हुआ। इसके बाद भजन, विचार गोष्ठी, महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण तथा श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए गए। ध्वजारोहण समारोह में पालिका चेयरमैन अरविंद संगल ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से देश को स्वतंत्रता की राह दिखाई। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने सभासदों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से गांधी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन और दृढ़ संकल्प को याद किया। अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के साथ समाज में व्याप्त छुआछूत और ऊंच-नीच जैसी कुरीतियों के खिलाफ भी आवाज उठाई। उनका उद्देश्य ऐसे समाज का निर्माण करना था, जिसमें सभी को समानता का अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि गांधी और शास्त्री के विचार आज भी समाज को सत्य, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम का संचालन स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसडर प्रदीप संगल और बीना अग्रवाल ने किया। इस दौरान सभासद प्रमोद जांगिड़, रामनिवास सैनी, रोबिन गर्ग, डॉ. राजेंद्र संगल, नामित सभासद हरिओम पाठक, संगीता जिंदल, योगेश गोयल, अनुराग जैन और राहुल गोयल सहित पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षकों का काम सिर्फ पढ़ाना नहीं, छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है : राज्यपाल

लखनऊ, एजेंसी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल शिक्षकों से कहा कि शिक्षक का कार्य केवल छात्रों को पढ़ाना नहीं है, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास के लिए काम करना भी है। बच्चों को अच्छा, स्वच्छ, स्वस्थ, अनुशासित और संवेदनशील नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी विद्यालय और शिक्षकों की है। वे बृहस्पतिवार को जनभवन स्थित

आदर्श माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व पर आधारित भाषण कार्यक्रम के बाद बच्चों को संबोधित कर रहीं थीं। राज्यपाल ने कहा कि कक्षा-10 के छात्रों का परिणाम शत-प्रतिशत आना चाहिए। कमजोर छात्रों को चिह्नित कर उनके लिए अतिरिक्त कक्षाएं व विशेष शिक्षण किया जाए।

उन्होंने विद्यालय में छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने को कहा। शिक्षक छात्रों के होमवर्क की नियमित जांच करें। छात्रों से राज्यपाल ने कहा कि यह उम्र परिश्रम और मेहनत करने का समय है। महात्मा गांधी ने भी साधारण परिवेश से आगे बढ़कर अपने दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर परिश्रम से देश और दुनिया को दिशा दी। इस अवसर पर महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्या, विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे आदि उपस्थित थे।

नदियों में डाली जाएंगी 2.75 लाख चितला मछली की अंगुलिकाएं

गोरखपुर , एजेंसी। प्रदेश की राज्य मछली चितला के संरक्षण और संवर्धन के लिए मत्स्य विभाग ने कवायद शुरू कर दी है। विभाग की ओर से मंडल की प्रमुख नदियों में चितला के 2.75 लाख बच्चे (मत्स्य अंगुलिकाएं) डाले जाएंगे। इसके लिए करीब तीन इंच आकार के चितला के बच्चे कोलकाता से मंगाए जा रहे हैं। विभाग के अनुसार बड़े आकार के बच्चे नदी में छोड़ने से दूसरी मछलियों का आहार बनने की आशंका कम रहती है। इससे उनके जीवित रहने की संभावना भी बढ़ जाती है। चितला की संख्या लगातार कम होने के कारण विभाग ने इसके संरक्षण पर जोर दिया है। उपनिदेशक मत्स्य बृजेश कुमार ने बताया कि चितला के संरक्षण के साथ नदियों में मछली उत्पादन बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। गोरखपुर की राप्ती नदी में 75 हजार और सरयू नदी में 50 हजार चितला के बच्चे डाले जाएंगे। कुशीनगर की गंडक नदी में 50 हजार तथा महराजगंज, देवरिया की नदियों में 50-50 हजार बच्चे छोड़े जाएंगे। प्रदेश की अन्य नदियों में भी रीवर रैंचिंग की जाएगी।

प्रो. प्रदीप दीक्षित को मिला अंतरराष्ट्रीय संस्कृत रत्न सम्मान

कानपुर , एजेंसी। वीएसएसडी कॉलेज के प्रोफेसर प्रदीप कुमार दीक्षित को थाईलैंड के बैंकॉक स्थित शिल्पकॉर्न विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ग्लोबल संस्कृत संगोष्ठी में अंतरराष्ट्रीय संस्कृत रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। भारत सरकार की ओर से संचालित संस्कृत अध्ययन केंद्र और ग्लोबल संस्कृत फोरम के संयुक्त तत्वावधान में हुई संगोष्ठी में देश-विदेश के विद्वानों ने भाग लिया। इसमें 300 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम में भारत के राजदूत पुनीत अग्रवाल और अंतरराष्ट्रीय सचिव डॉ. राजेश मिश्रा अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रो. दीक्षित को संस्कृत भाषा एवं साहित्य के संरक्षण, प्रचार-प्रसार, संवर्धन और उन्नयन के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन एवं समर्पित योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संगोष्ठी में प्रो. दीक्षित और डॉ. अनुराग दीक्षित की पुस्तकों ज्योतिष वैखरी और ज्योतिष प्रबोधिनी का विमोचन भी हुआ। शिक्षाविदों और संस्कृत प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी।

किचन से निकला विरोध का नया मेन्यू

अलीगढ़, एजेंसी। एक कचौड़ी, दो समोसा... इस वीसी का क्या भरोसा। एक जीरा, दो अजवाइन... मर्द जात दो रिजाइन। आलू लो, पूरी लो... इन मर्दों से दूरी लो। ये किसी रसोई का मेन्यू नहीं बल्कि जेन-जी युवतियों के विरोध की आवाज है।

जिस किचन तक महिलाओं को सीमित किए जाने की बातें लंबे समय तक होती रहीं, उसी किचन के सामान और रोजमर्रा की भाषा को अब लड़कियां सड़क पर विरोध का हथियार बना रही हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर, पंजाब के लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) से लेकर एएमयू तक छात्राओं के प्रदर्शनों में विरोध के तरीके और भाषा में यह बदलाव दिखाई दे रहा है।

लंबे भाषणों और पारंपरिक नारों के साथ अब मीम, तुकबंदी, व्यंग्य और रोजमर्रा के खान-पान से जुड़े शब्द भी विरोध का हिस्सा बन रहे हैं। इन नारों का मकसद सिर्फ ध्यान खींचना नहीं, बल्कि महिला सुरक्षा, स्वतंत्रता, बराबरी और अपनी जिंदगी से जुड़े फैसले खुद लेने के अधिकार की बात को ज्यादा सहज और यादगार तरीके से सामने रखना है।

एएमयू की बीए ऑनर्स की छात्रा सुमैया और इब्रा नूर कहती हैं कि महिलाओं पर लंबे समय से यह ठप्पा लगाया जाता रहा है कि उनकी दुनिया किचन तक सीमित है। अब उसी किचन की रेसिपी और रोजमर्रा की चीजें विरोध की आवाज बनकर सड़क पर उतर रही हैं।

पुरुषों पर नहीं, सोच पर सवाल

छात्रा महवीश कहती हैं कि इन नारों का मकसद सभी पुरुषों को निशाना बनाना नहीं है। सभी पुरुष एक जैसे नहीं हैं, लेकिन कुछ के व्यवहार की वजह से पूरे पुरुष समाज पर सवाल उठते हैं। पुरुषों को यह समझना होगा कि महिलाओं को भी अपनी इच्छा के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है। संविधान महिलाओं को समानता और स्वतंत्रता का अधिकार देता है।

सार्वजनिक क्षेत्र में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

एएमयू समाजशास्त्र विभाग के चेयरमैन प्रो. मोहम्मद अकरम कहते हैं कि लोकतांत्रिक समाज में सिविल सोसाइटी के विकास के साथ पब्लिक स्फीयर भी लगातार बदलता है। भारत के शहरी सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तीकरण से उनकी भागीदारी बढ़ी है, जिसका असर रोजमर्रा के नैरेटिव और विरोध की भाषा में भी दिखाई दे रहा है।

- महिलाओं की आवाज को अक्सर घर और निजी क्षेत्र तक सीमित माना जाता था, लेकिन जब महिलाएं सड़क, विश्वविद्यालय, सार्वजनिक स्थानों और सोशल मीडिया पर आकर सुरक्षा, स्वतंत्रता और समानता के मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं तो वे पब्लिक स्फीयर में अपनी भागीदारी बढ़ा रही होती हैं।

- प्रो. मोहम्मद अकरम, चेयरमैन,
समाजशास्त्र विभाग, एएमयू

यूपी कांग्रेस में बड़ा फेरबदल, अजय राय की जगह आराधना मिश्रा 'मोना' को कमान

लखनऊ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस में शुक्रवार देर रात बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया गया। कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पद से हटाकर रामपुर खास की विधायक एवं कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद को प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी की ओर से जारी नियुक्ति के अनुसार दोनों नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

आराधना मिश्रा 'मोना' प्रतापगढ़ की रामपुर खास विधानसभा सीट से लगातार तीन बार विधायक चुनी जा चुकी हैं। वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी की बेटी हैं और वर्तमान में कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। अब उन्हें प्रदेश संगठन की कमान सौंपी गई है। अजय राय अगस्त 2023 से उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

कांग्रेस ने प्रदेश संगठन में अन्य नियुक्तियां भी की हैं। देवेंद्र निषाद और आलोक प्रसाद को प्रदेश कांग्रेस कमेटी का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा चौधरी वीरेंद्र सिंह को उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल का नया नेता नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। इस बदलाव के साथ प्रदेश कांग्रेस संगठन की शीर्ष जिम्मेदारियों में नई टीम सामने आई है।

प्रदेश अध्यक्ष पद पर आराधना मिश्रा 'मोना' की नियुक्ति के बाद अब उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन में आगे होने वाले बदलावों पर भी नजर रहेगी। पार्टी के इस फैसले की घोषणा 2 अक्टूबर की रात की गई। अजय राय के स्थान पर नई प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस की संगठनात्मक कमान अब आराधना मिश्रा 'मोना' के हाथों में आ गई है।

संतान की दीर्घायु को महिलाएं रखेंगी निर्जला व्रत, 16 गांठों के रक्षा सूत्र का है महत्व; खास अनुष्ठान

वाराणसी, एजेंसी। काशी में संतान के दीर्घायु जीवन, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना के साथ महिलाएं जीवित्पुत्रिका (जिउतिया) का व्रत रखेंगी। इसके साथ ही लक्सा स्थित प्राचीन लक्ष्मी कुंड पर चल रहे 16 दिवसीय पारंपरिक सोरहिया मेले का शनिवार को विधिवत समापन होगा।

बृहस्पतिवार को मां लक्ष्मी के दर्शन के लिए महिलाओं की लाइन लगी रही। जीवित्पुत्रिका व्रत को लेकर काशी के प्रमुख गंगा घाटों, अस्सी, दशाश्वमेध, पंचगंगा, ईश्वरगंगी, बरेका सूर्य सरोवा सहित विभिन्न कुंडों व सरोवरों पर आस्था का सैलाब उमड़ेगा। माताएं 24 घंटे का निर्जला उपवास रखकर जीमूतवाहन की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगी। व्रती महिलाएं सुबह पवित्र नदियों व सरोवरों में स्नान कर संतान रक्षा का संकल्प लेंगी और कथा श्रवण के उपरांत बांस की टोकरी में ठेकुआ, फल और अक्षत अर्पित करेंगी।

दूसरी ओर, सोरहिया मेले के अंतिम दिन लक्सा स्थित महालक्ष्मी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। यहां 16 दिनों तक कठोर अनुष्ठान करने वाली महिलाएं 16 गांठ वाले पवित्र रक्षा सूत्र (सोरहिया डोरा) का पूजन कर व्रत का उद्यापन करेंगी। देवी को 16 प्रकार के मौसमी फल, मिष्ठान्न और सुहाग सामग्री अर्पित की जाएगी। मंदिर के महंत शिवप्रसाद पांडेय उर्फ लिंगिया महाराज ने बताया कि सोरहिया मेले के अंतिम दिन व्रती महिलाओं की भीड़ उमड़ेगी। महिलाएं मां लक्ष्मी के दर्शन कर संतान सुख की कामना करेंगी।

नहाय खाय से आज से शुरू होगा व्रत

संतान की दीर्घायु और कल्याण के लिए रखा जाने वाला तीन दिवसीय जिउतिया व्रत शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के पूर्व अध्यक्ष व प्रख्यात ज्योतिषविद् प्रो. नागेंद्र पांडेय और आचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने बताया कि इस व्रत को %%खर जिउतिया%% भी कहा जाता है। इस वर्ष अष्टमी और नवमी तिथि एक ही दिन पड़ रही है।

शुक्रवार को व्रती महिलाएं नहाय-खाय की रस्म पूरी कर व्रत का संकल्प लेंगी। अष्टमी तिथि शनिवार को सुबह 9:53 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन रविवार को सुबह 7:27 बजे तक रहेगी। शनिवार को को माताएं पूरे दिन निर्जला उपवास रखेंगी। प्रदोष काल में शाम 6:05 बजे से विविध नैवेद्य के साथ जिउतिया माता और राजा जीमूतवाहन का विधि-विधान से पूजन किया जाएगा तथा कथा का श्रवण होगा। अष्टमी तिथि समाप्त होने के बाद रविवार को सुबह 7:28 बजे से पारण किया जाएगा। रविवार की सुबह सुबह 7:27 बजे के बाद नवमी तिथि लगेगी, जो सोमवार सुबह 5:50 बजे तक ही रहेगी।

शाहपुर में श्रद्धा और उत्साह से मनाई गांधी-शास्त्री जयंती

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। शाहपुर कन्या इंटर कॉलेज में महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा, उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक अरविंद गुप्ता, प्रधानाचार्या उषा अस्थाना एवं शिक्षिकाओं ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर किया। इसके बाद महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। छात्राओं ने राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सादगी के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार आज भी समाज और विश्व को प्रेरणा देते हैं। वहीं, लाल बहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद किया गया। छात्राओं ने रघुपति राघव राजा राम तथा दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल जैसे देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से भर गया।

इस अवसर पर छात्राओं को स्वच्छता, अनुशासन, सत्य, अहिंसा और राष्ट्रसेवा की भावना अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में शिक्षिकाओं एवं छात्राओं ने महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

वहीं, एक्सपर्ट एकेडमी शाहपुर में भी गांधी जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि समाजसेवी श्याम पाल सिंघल ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर बच्चों को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय प्रबंधक प्रवीन्द कुमार ने बच्चों को संस्कारवान बनने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

फोटो कैप्शनः शाहपुर कन्या इंटर कॉलेज में ध्वजारोहण करते प्रबंधक एवं महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित करते हुए।

त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में निकलेगी राम बरात

आगरा, एजेंसी। प्रभु श्रीराम की बरात 6 अक्तूबर को त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में निकाली जाएगी। मनःकामेश्वर से जनकपुरी तक के रूट को चार सुपर जोन और 8 जोन में बांटा गया है। हर जोन के प्रभारी एडीसीपी और एसीपी को बनाया गया है। जिस रास्ते से बरात निकलेगी, वहां पर घरों की छतों पर पुलिस फोर्स रहेगी। पुलिस के 1500 सिपाहियों के साथ पीएसी के 1000 से अधिक जवान रहेंगे। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि राम बरात और जनकपुरी आयोजन के लिए सुरक्षा का खाका खींचा गया है। पुराने शहर से राम बरात की शुरूआत होती है। यह अलग-अलग क्षेत्र में घूमती है। बाद में जनकपुरी पहुंचती है। सुपर जोन प्रभारी एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारी रहेंगे जबकि जोन का प्रभारी एसीपी स्तर के अधिकारी को बनाया गया है। 10 से 12 झांकियों को एक एसीपी, एक इंस्पेक्टर और 20 से अधिक एसआई और सिपाहियों की मौजूदगी में निकाला जाएगा। इसके अलावा श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के स्वरूप की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

बैंड संचालकों के साथ बैठक

पुलिस लाइन में बृहस्पतिवार को बैंड संचालकों के साथ पुलिस अधिकारियों ने बैठक की। डीसीपी सिटी ने बताया कि राम बरात में शामिल बैंड के 50 से अधिक कर्मचारी होते हैं। इनके अलावा उनकी गाड़ी भी होती है। कई बार गाड़ी बड़ी होने के कारण घटिया आजम खां से फुलट्टी की तरफ जाने वाले मार्ग पर फंस जाती हैं। इससे आवागमन अवरुद्ध हो जाता है। संचालकों से कहा गया कि वह ऐसी गाड़ी लेकर आएं जो संकरे रास्ते से आसानी से निकल सके।

नींद की झपकी से हाईवे पर पलटी श्रद्धालुओं से भरी ट्रेवलर, सात घायल; 22 यात्रियों की बची जान

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर क्षेत्र में नेशनल हाईवे-9 स्थित रामपुर अंडरपास फ्लाईओवर पर शुक्रवार तड़के दिल्ली से कैंची धाम जा रही श्रद्धालुओं से भरी ट्रेवलर गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सात श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि बस में सवार अन्य यात्रियों को पुलिस और स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया और क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात सुचारू कराया।

जानकारी के अनुसार दिल्ली का एक परिवार अपने रिश्तेदारों के साथ उत्तराखंड के नैनीताल स्थित कैंची धाम में नीम करोली बाबा के दर्शन के लिए जा रहा था। शुक्रवार तड़के मुरादाबाद की ओर जाते समय हाफिजपुर क्षेत्र में फ्लाईओवर के पास चालक को नींद की झपकी आ गई। इससे ट्रेवलर अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई। वाहन के पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना हाफिजपुर प्रभारी अतुल चौहान पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने ट्रेवलर में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। सीओ मुनीश चन्द्र ने बताया कि डायल-112 पर सूचना मिलते ही पीआरवी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। हादसे के कारण हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ था, जिसे क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन हटवाकर सुचारू कराया गया। पुलिस के अनुसार हादसे में दिल्ली निवासी वंश तिवारी (15), नीरज (38), शालिनी (35), निशु उर्फ दिवास (8), यशिका उर्फ पीहू (10), रेनू मिश्रा (41) और वीरेन कुमार तिवारी (11) घायल हुए हैं। सभी को हल्की चोटें आई हैं और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह चालक को आई नींद की झपकी सामने आई है। तड़के हाईवे पर लंबी दूरी की ड्राइविंग के दौरान चालक की थकान और नींद को देखते हुए यह हादसा एक बार फिर सतर्क ड्राइविंग की जरूरत की ओर इशारा करता है।

गांधी-शास्त्री जयंती पर विधायक किरत सिंह ने चलाया स्वच्छता अभियान

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव जांडखेड़ा स्थित महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में गंगोह विधानसभा क्षेत्र के विधायक किरत सिंह ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विधायक ने स्वच्छता अभियान चलाया और सफाई कर्मचारियों को फूलों की मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया।

विद्यालय परिसर में पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक किरत सिंह का ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। इसके बाद विधायक ने करीब एक करोड़ रुपये की लागत से निर्मित

सीमेंट-कंक्रीट मार्ग का फीता काटकर ग्रामीणों को समर्पित किया। उन्होंने गांव में तालाब की खुदाई, पिचिंग एवं सौंदर्यीकरण कार्य का मंत्रोच्चारण के बीच नारियल फोड़कर विधिवत उद्घाटन किया। इसके अलावा गांव में निर्मित रविदास मंदिर परिसर में बने सभागार का भी फीता काटकर उद्घाटन किया गया। विधायक ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का संदेश देकर देश और समाज को नई दिशा दी, जबकि लाल बहादुर शास्त्री का सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार ने किया, जबकि अध्यक्षता पूर्व सभापति सुखपाल सिंह ने की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, त्रिसु प्रधान, संजय प्रधान, कुशल पाल सिंह, तरसपाल चेयरमैन, राज किरण एडवोकेट, सुशील एडवोकेट, राजू प्रधान, विनीत चौधरी, प्रतीक चौधरी, तेजपाल प्रधान, बलदेव सिंह, सोनीत, शंकी लाला, पप्पू पंडित सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भगवंतपुर में सपा की पीडीए जनसभा, प्रदेश सचिव ने कार्यकर्ताओं से चुनाव तैयारियों में जुटने का किया आह्वान

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव भगवंतपुर में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए जनसभा का आयोजन किया गया। सभा में पार्टी के प्रदेश सचिव विनय पाल प्रमुख मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम के आयोजक पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नरेंद्र नागर रहे। सभा में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान पार्टी की नीतियों और जनहित से जुड़ी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी गई। कार्यक्रम में पहुंचने पर विनय पाल प्रमुख का कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर और पगड़ी बांधकर स्वागत किया। गांधी जयंती के अवसर पर प्रदेश सचिव सहित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

विनय पाल प्रमुख ने पार्टी की योजनाओं और नीतियों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवा बेरोजगारी और किसान विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस दौरान अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे लोगों की बात भी उन्होंने सुनी और समाधान का आश्वासन दिया।

उन्होंने कार्यकताओं से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने तथा पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष इंदर प्रधान, विकास जतन, राजेश रोही, लोकेश जनमेदा, लोकेश भाटी, रूबी नागर, हुकुम सिंह भारती, विजेंद्र चौधरी, सतपाल फौजी, सलीम राव, ललित गोयल, पीतांबर नंबरदार सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छह प्रमुख मांगों को लेकर 5 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरना देगा किसान मजदूर मोर्चा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान मजदूर मोर्चा क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर 5 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेगा। शुक्रवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए मोर्चा अध्यक्ष बबली गुर्जर, सत्येंद्र शर्मा एवं महिला नेता नीरज प्रजापति ने क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की।

मोर्चा अध्यक्ष बबली गुर्जर ने बताया कि तिबड़ा और सीकरी रोड स्थित रेलवे फाटक बंद होने के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने दोनों स्थानों पर ऊपरगामी पुल और भूमिगत मार्ग बनवाने की मांग की, ताकि लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध पौराणिक सीकरी महामाया देवी मंदिर के खाते में करीब 30 करोड़ रुपये जमा हैं। मोर्चे ने मांग की कि इस धनराशि का उपयोग मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं विस्तार में किया जाए तथा विस्तार के लिए अतिरिक्त जमीन भी खरीदी जाए।

उन्होंने बताया कि सीकरी-कलछीना मार्ग कई गांवों को जोड़ता है, लेकिन इसकी हालत बेहद जर्जर है। मार्ग का जल्द निर्माण कराने की मांग की गई। इसके अलावा राज चौपला-हापुड़ रेलवे ऊपरगामी पुल का निर्माण भी तेजी से कराने की मांग उठाई गई। मोर्चा नेताओं के अनुसार निर्माण कार्य शुरू हुए करीब दो वर्ष हो चुके हैं, लेकिन अभी तक लगभग 25 प्रतिशत ही काम पूरा हुआ है।

मोर्चा नेताओं ने हनुमानपुरी से दिल्ली-मेरठ मार्ग तक जाने वाले पुराने रास्ते को दोबारा खुलवाने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए मोर्चा 5 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेगा और मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

हापुड़ में श्रद्धा से मनाई गांधी-शास्त्री जयंती, स्वच्छता का दिलाया संकल्प

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती जनपद में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभागार में सुबह 8:30 बजे जिलाधिकारी कविता मीना, अपर जिलाधिकारी सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने महात्मा गांधी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो... का सामूहिक गायन किया।

जिलाधिकारी ने विद्यालय की अध्यापिकाओं एवं छात्राओं को पुरस्कार और मिठाई वितरित की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का मार्ग दिखाया। उनके विचार और जीवन आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने लोगों से गांधी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने स्वच्छ भारत मिशन को गांधी के स्वच्छता संबंधी विचारों को आगे बढ़ाने वाला अभियान बताया। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर भी माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके जय जवान, जय किसान के नारे को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक बताया। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद हापुड़ के सभागार में गांधी जयंती के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी ने सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति शपथ दिलाई। अध्यक्ष ने महात्मा

गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण किया। इसके बाद सभागार में आयोजित जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

गांधी जयंती के अवसर पर जनपद के सभी सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं नगर पालिकाओं में स्वच्छता ही सेवा-श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने स्वच्छता अभियान में भाग लेकर स्वच्छ और सुंदर समाज के निर्माण का संदेश दिया।

टोल प्लाजा पर चला विशेष स्वच्छता अभियान, स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

जेवर (शिखर समाचार)। गांधी जयंती के अवसर पर यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टोल परिसर, टोल लेन तथा आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर यमुना एक्सप्रेसवे के महाप्रबंधक आनंद बृजराज और सहायक महाप्रबंधक जेके शर्मा ने टोल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के महत्व और इससे होने वाले लाभों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। उन्होंने महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने का उल्लेख करते हुए स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को अभियान को सफल बनाने, टोल परिसर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा आम लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। इस दौरान टोल अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए नियमित रूप से साफ-सफाई रखने का संकल्प लिया।

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई

दादरी (शिखर समाचार)। नगर के मोहल्ला गौतमपुरी स्थित महिला जिला कार्यालय पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महिला जिला अध्यक्ष राधा रानी के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्र हुए और दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के विचारों को याद करते हुए कहा गया कि उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने ह्यजय जवान, जय किसानल्ल का नारा देकर देश के किसानों और जवानों के महत्व को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि दोनों महापुरुषों के विचार आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने सभी वर्गों से उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में शांति, भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर मोनिका, पूजा, संतोष, विमलेश, कांता, वायदा, सीमा, बिमलेश, राधिका, बबीता सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

गांधी जयंती पर कैराना को मिला पार्क और 100 फुट ऊंचा तिरंगा, चेयरमैन ने किया लोकार्पण

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषद कैराना में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम में चेयरमैन शमशाद अंसारी और अधिशासी अधिकारी समीर कुमार कश्यप ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान सभासदों और पालिका कर्मचारियों ने भी दोनों महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। अधिशासी अधिकारी समीर कुमार कश्यप ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज और देश को विकास तथा प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि

गांधी के विचार सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे की प्रेरणा देते हैं। गांधी जयंती के अवसर पर शामली-पानीपत मार्ग स्थित वार्ड संख्या 11 में नवनिर्मित पार्क और 100 फुट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का भी भव्य लोकार्पण किया गया। चेयरमैन शमशाद अंसारी ने फीता काटकर पार्क और तिरंगे का लोकार्पण किया। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। चेयरमैन शमशाद अंसारी ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर शहर में 100 फुट ऊंचे तिरंगे का लोकार्पण शहरवासियों के लिए गौरव की बात है। राष्ट्रीय ध्वज युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का संदेश देगा। वहीं नवनिर्मित पार्क से वार्ड की सुंदरता बढ़ने के साथ लोगों को बेहतर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि नगर के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पालिका स्तर पर निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

वाहन चोरी में दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना अंकुर विहार पुलिस टीम ने वाहन चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद वाहन चोरी की घटना के संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा पूर्व में हुई घटनाओं के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार जांच की जा रही थी। इसी क्रम

में थाना अंकुर विहार पुलिस टीम को वाहन चोरी की घटना से जुड़े आरोपियों के संबंध में जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद होने के बाद पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस द्वारा बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में आवश्यक जांच की जा रही है। साथ ही गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर वाहन चोरी की घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि वाहन चोरी की घटनाओं में संलिप्त लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। मामले में पुलिस द्वारा जांच एवं पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सूचना विभाग में श्रद्धा से मनाई गांधी और शास्त्री जयंती

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर जिला सूचना विभाग कार्यालय में महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में सूचना विभाग के कर्मचारियों ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के देश के प्रति योगदान और उनके आदर्शों को याद किया गया। जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह ने दोनों महापुरुषों के जीवन परिचय एवं उनके विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से देश को

स्वतंत्रता के लिए संगठित किया, जबकि लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों का जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को अपने व्यवहार और कार्यशैली में अपनाकर राष्ट्रहित में योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करें तथा महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के विचारों से प्रेरणा लेकर समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें। कार्यक्रम में कार्यालय के कनिष्ठ सहायक मोहम्मद इदरीश, राकेश कुमार, रवि कुमार, दीपांशु कुमार एवं धन सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने दोनों महापुरुषों के आदर्शों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पंजाबी कवियों और कलाकारों ने बांधा ऐसा समां, देर रात तक झूमते रहे दर्शक

पंजाबी कवि दरबार में साम्प्रदायिक सौहार्द की कविताओं ने जीता दिल, हास्य, गीत और भंगड़ा-गिद्दा ने जमाया रंग

सहारनपुर (शिखर समाचार)। नगर निगम की ओर से जाहरवीर गोगापीर को समर्पित मेला गुघाल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत नेहरू मार्केट स्थित जीआईसी सभागार में पंजाबी कवि दरबार एवं रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंजाबी कवियों और कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि दर्शक देर रात तक झूमते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ कलाकारों द्वारा गुरुबाणी के शब्दों के आयोजन के साथ हुआ। इसके बाद गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सुजसबीर सिंह और आम आदमी पार्टी के योगेश दहिया ने दीप प्रज्वलित किया, जबकि पंजाबी महासभा के अध्यक्ष पाली कालड़ा ने फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

साम्प्रदायिक सौहार्द की कविताओं पर गूंजती रहीं तालियां

जालंधर से पहुंचे प्रसिद्ध कवि करमजीत सिंह नूर ने साम्प्रदायिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश देती कविताओं की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उनकी कविताओं को दर्शकों ने तालियों और वाह-वाह की गूंज के साथ सराहा। इसके बाद हरियाणा से आए अवतार सिंह ने पंजाबी हास्य और शेरो-शायरी से दर्शकों को खूब गुदगुदाया और जमकर वाहवाही बटोरी।

गायिका शमा जैज के गीतों पर थिरके दर्शक

चंडीगढ़ से पहुंची पंजाबी गायिका शमा जैज ने लोकप्रिय पंजाबी गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को संगीतमय बना दिया। उनके गीतों पर दर्शक झूमते और थिरकते नजर आए। इसके बाद चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा की संयुक्त भंगड़ा-गिद्दा टीम ने शानदार प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में और रंग भर दिया। कलाकारों के साथ दर्शकों ने भी भंगड़ा किया। कार्यक्रम में महापौर डा. अजय कुमार सिंह, उपसभापति मयंक गर्ग, मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह, मेला सह-संयोजक ज्योति अग्रवाल, पार्षद दल के नेता राजिंदर कोहली सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी और पार्षद मौजूद रहे। कार्यक्रम समन्वयक मुकेश गखड़, संयोजक पार्षद प्रियंका, संचालक एमपी सिंह चावला, सह-संयोजक अक्षु छाबड़ा और आनंद भाटिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस दौरान महानगर विधायक राजीव गुम्बर, राहुल लखनपाल समेत विभिन्न सामाजिक और पंजाबी संगठनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर प्रभुजी की रसोई में सह-भोज, सामाजिक समरसता का दिया संदेश

सहारनपुर (शिखर समाचार)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर गांधी पार्क स्थित प्रभुजी की रसोई में सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और मानव सेवा का संदेश देने के लिए सह-भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। गरीब, जरूरतमंद एवं असहाय लोगों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई और उपस्थित लोगों ने एक साथ बैठकर भोजन किया। जिलाधिकारी अरविंद चौहान ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा, सादगी और मानव सेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी समाज को प्रेम, भाईचारे और सामाजिक

समरसता की प्रेरणा देते हैं। महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि गांधी दर्शन सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। गांधी के आदर्शों के साथ लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा से भी प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने प्रभुजी की रसोई द्वारा जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने के कार्य की सराहना की। नगर मजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह ने कहा कि सह-भोज जैसे आयोजन सामाजिक दूरियां कम करने और लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने में सहायक हैं। जय नाथ शर्मा ने कहा कि गांधी ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर जरूरतमंदों की सेवा का संदेश दिया था। प्रभुजी की रसोई उसी भावना को आगे बढ़ा रही है। शीतल टंडन ने कहा कि गांधी जयंती उनके विचारों को जीवन में उतारने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सेवा को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बालसिंह तथा संचालन आमिर खान ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल, संजय मिड्ढा, महेश नारंग, राजीव चावला, दलजीत सिंह कोचर, महेंद्र सचदेवा, इकबाल मंसूरी, महेंद्र तनेजा, डॉ. असलम खां, राज नितिन रावत, जीएम गांधी, वेद प्रकाश पोपली, अशोक मलिक, अशोक गांधी, नीना ढींगरा, परवीन मोगा, भूपेंद्र मोगा, राजकुमार वर्मा, दीपक सिंघल, कौशलेन्द्र स्वामी, धीरज भारद्वाज, केके गर्ग, सतीश शाह, सुरेंद्र सचदेवा, केएल दावड़ा, संजीव सचदेवा और हेमंत अरोड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

शामली में श्रद्धा से मनाई गांधी-शास्त्री जयंती, स्वदेशी अपनाने का दिया संदेश

शामली (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट प्रांगण में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। जिलाधिकारी आलोक यादव ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक राष्ट्रगान और वंदे मातरम् का गायन किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी आलोक यादव, अपर जिलाधिकारी सत्येंद्र सिंह, उपजिलाधिकारी श्याम नारायण शुक्ला और अरविंद कुमार तृतीय ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित की। कलेक्ट्रेट अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी दोनों महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को स्मरण

किया। कलेक्ट्रेट परिसर में इस अवसर पर खादी प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए लोगों को स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने चरखा चलाकर देश की पारंपरिक विरासत और स्वदेशी भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सत्य के पुजारी महात्मा गांधी और सादगी के प्रतीक लाल बहादुर शास्त्री के जीवन आदर्शों को दैनिक जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रत्येक व्यक्ति को सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर चलते हुए अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए तथा समाज के हित में कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन अनुराग शर्मा ने किया।

विकास खंड कार्यालय में भी मनाई जयंती

शामली विकास खंड कार्यालय में भी गांधी-शास्त्री जयंती धूमधाम से मनाई गई। ब्लॉक प्रमुख जयदेव मलिक ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपस्थित लोगों ने दोनों महापुरुषों के जीवन चरित्र और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रभारी खंड विकास अधिकारी नीरज कुमार सैनी, वरिष्ठ सहायक मोहित मलिक, धर्मदत्त सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संपादकीय

गांधी जयंती पर जंतर-मंतर बना लोकतांत्रिक संघर्ष का केंद्र

देश की राजधानी दिल्ली में गांधी जयंती के दिन जंतर-मंतर पर हुआ विरोध प्रदर्शन भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़े कई महत्वपूर्ण सवालों को उजागर करता है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी सहित विभिन्न विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों के नेताओं तथा कार्यकताओं का सड़कों पर उतरना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता और नागरिकों के मतदान के अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय भी है। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे 500 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। इनमें आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज सहित कई प्रमुख नेता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। जंतर-मंतर पर भारी पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग और यातायात प्रतिबंधों के बीच हुई इस कार्रवाई ने लोकतंत्र में विरोध के अधिकार और प्रशासनिक व्यवस्था के बीच संतुलन की आवश्यकता को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। महात्मा गांधी की जयंती पर राजधानी में हुए इस घटनाक्रम का अपना विशेष महत्व है। गांधी ने सत्य और अहिंसा को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का सबसे प्रभावी माध्यम बनाया था। उनका मानना था कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज को दबाने के बजाय उसे सुनना चाहिए। आजादी के आंदोलन में शांतिपूर्ण विरोध ने जिस तरह जनभागीदारी को मजबूत किया था, उसी भावना का महत्व आज भी कायम है। ऐसे में गांधी जयंती के अवसर पर जंतर मंतर पर प्रदर्शनकारियों की हिरासत एक ऐसा विषय है, जिस पर लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से विचार किया जाना चाहिए। कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन शांतिपूर्ण विरोध करने के नागरिक अधिकार की रक्षा करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस प्रदर्शन की मुख्य वजह मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर है। विपक्षी दलों और कई सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने की आशंका है। उनका कहना है कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होनी चाहिए और किसी भी नागरिक को उसके मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर प्रदर्शनकारी मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना है। इसलिए इस पूरे विवाद का समाधान राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप के बजाय तथ्यों, पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच के आधार पर होना चाहिए। लोकतंत्र में मतदाता सूची का महत्व किसी से छिपा नहीं है। चुनाव में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी सरकार के गठन की प्रक्रिया को वैधता प्रदान करती है। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से हट जाता है, तो वह अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाएगा। यह केवल एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा विषय है। इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण में किसी भी तरह की लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया स्पष्ट होनी चाहिए तथा जिन नागरिकों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें पर्याप्त जानकारी और अपनी पात्रता साबित करने का अवसर मिलना चाहिए। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना होगा कि शुद्धता के नाम पर किसी पात्र मतदाता के अधिकार प्रभावित न हों। जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई भी व्यापक चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने के बाद सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर दी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पहुंचे। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर अलग अलग स्थानों पर भेजा। निश्चित रूप से राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है। बड़े प्रदर्शनों के दौरान यातायात और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां भी सामने आती हैं। लेकिन किसी भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का औचित्य और उसकी सीमा भी महत्वपूर्ण है। शांतिपूर्ण विरोध के लिए उपयुक्त स्थान और अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति नागरिकों का विश्वास बढ़ा सकती है।

~ मौलिक चिंतन ~

अंधविश्वास और पाखण्ड में विश्वास करना, ज्ञान व तर्क को नकारना है।

~~~~~~~~~

©

विनय संकोची

चुनाव आयोग में प्याज की तरह परत दर परत खुलासा

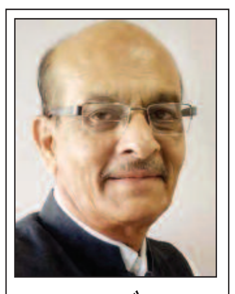

सनत जैन

अब फॉर्म 7 में धांधली...

केंद्रीय चुनाव आयोग सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्या-क्या गुल खिला रहा था यह एक के बाद एक स्पष्ट होता चला जा रहा है। हाल ही में फॉर्म नंबर 6 और तार्किक मूल्यांकन के जरिए मतदाता सूची में 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए थे। 2024 के बाद 18 वर्ष पूरे कर चुके युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए थे। इसके अलावा फॉर्म 7 के माध्यम से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक मतदाताओं और ऐसे लोगों के नाम काटे जा रहे थे जो एक पार्टी विशेष को मतदान नहीं करते थे। इस काम में बड़ी संख्या में पन्ना प्रमुख जो एक राष्ट्रीय दल द्वारा बनाए गए थे उनकी और चुनाव आयोग की भूमिका अब खुलकर सामने आ गई है, जिसके कारण मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक नई मुसीबत में आ गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज से मिलकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से सॉफ्टवेयर में परिवर्तन किया। बीएलओ और क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों के अधिकार कंप्यूटर को देकर मतदाताओं के साथ बहुत बड़ी धोखाधड़ी की गई है। इसके साथ ही चुनाव के दौरान फॉर्म नंबर 7 की सहायता से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। हर राज्य में लाखों मतदाताओं के नाम भाजपा के पन्ना प्रमुखों के जरिये काटने का खेल पिछले दो साल से चल रहा है। इसका खुलासा राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र की मतदाता सूची में किए गए गड़बड़ घोटाले के मामले को पत्रकार वार्ता के जरिए सामने लाया था। उन्होंने इसके सबूत भी दिए थे, लेकिन उस समय चुनाव आयोग और सरकार ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब न देकर उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था। उसके बाद यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है। केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह भी नहीं ले रहे थे। चुनाव आयोग में मनमानी नियुक्ति कर रहे थे तथा चुनाव आयोग के पोर्टल में मनमर्जी से वो बदलाव कर चुनाव को प्रभावित कर रहे थे। वह मामला अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद तूल पकड़ गया है। सारे देश में आंदोलन चढ़ गया है। सारे विपक्षी दल अब सड़कों पर आ गए हैं। जिसके कारण अब हर मामला सबूतों के साथ खुलकर सामने आ गया है। अब इसको छिपा पाना चुनाव आयोग के लिए संभव नहीं दिख रहा है।

जिस तरह से चुनाव आयोग के साथ-साथ न्यायपालिका के ऊपर सीधे आरोप लगना शुरू हो गए हैं, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के ऊपर अधिवक्ता समुदाय खुद सबूतों के साथ आरोप लगा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता भी प्रदर्शन करने सुप्रीम कोर्ट के बाहर खड़े हो रहे हैं, जो अधिवक्ता अभी तक मुखर होकर अपनी बात नहीं कर पा रहे थे उन्हें अपनी प्रैक्टिस का डर था लेकिन अब वह भी खुलकर सड़कों पर उतर रहे हैं, जिसके कारण चुनाव आयोग और सरकार की मुसीबतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही हैं। 2 अक्टूबर से जिस तरह का प्रदर्शन आज देश भर में देखने को मिल रहा है, सारे देश के विपक्षी दल और कॉकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर आंदोलन शुरू हो गए हैं। उसको देखते हुए अब नहीं लगता है कि सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट से चुनाव आयोग को कोई संरक्षण मिल पाएगा। ऐसी स्थिति में फार्म 7 की धांधली सामने आने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री द्वारा अनशन और धरना देने से सबूतों के साथ शिकायत करने पर केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचा पाना अब शायद न्यायपालिका के लिए भी संभव नहीं होगा। आगे किस तरह के हालात बनेंगे कहना मुश्किल है। जो अधिकार संसद के पास थे, उन अधिकारों का उपयोग केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया है। जो मनमानी की थी वह अब दस्तावेजी सबूत के रूप में सामने है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय चुनाव आयोग में एक बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। सरकार ने जिस तरह से चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की थी, वह विवाद भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। आगे क्या होगा इसको लेकर अब तरह-तरह की आशंकाओं के कयास लगना शुरू हो गए हैं। इतना तय है कि अब इस मामले में कठोर कार्रवाई न्यायपालिका और सरकार दोनों को ही करना होगी अन्यथा इस मामले को शांत कर पाना संभव नहीं होगा।

अरब सागर से पंजाब तक नशे का नेटवर्क देश की सुरक्षा और युवा पीढ़ी के लिए बड़ी चुनौती

कांतिलाल मांडोत

समुद्री सीमा की चौकसी के साथ समाज को भी बनना होगा नशामुक्ति की मजबूत दीवार...

भारत की समुद्री सीमा से मादक पदार्थों की एक और बड़ी खेप पकड़े जाने ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, युवा पीढ़ी और सामाजिक व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चुनौती बन चुका है। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते और भारतीय तटरक्षक बल ने 25 सितंबर 2026 को लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में संयुक्त अभियान चलाकर एक ईरानी नाव से करीब 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी नागरिकों को भी पकड़ा गया है।

यह कार्रवाई केवल एक खेप पकड़ने की घटना नहीं है। इसके पीछे काम कर रहे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की जांच अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी जानकारी के अनुसार अभियान खुफिया सूचना के आधार पर चलाया गया और समुद्री तथा हवाई निगरानी के बाद संदिग्ध नाव को रोका गया। नाव और पकड़े गए लोगों को मुंबई लाकर आगे की संयुक्त जांच शुरू की गई है। एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के पीछे कौन लोग हैं, माल के संभावित प्राप्तकर्ता कौन थे और इसके आर्थिक लेनदेन की कड़ियां कहां तक जाती हैं।

जांच से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि खेप को भारत में पहुंचाने के बाद आगे दूसरे राज्यों तक ले जाने की योजना थी। रिपोर्टों में एक नाइजीरियाई व्यक्ति और पाकिस्तान से जुड़े कथित तस्करी नेटवर्क का भी उल्लेख है। इन दावों की पूरी पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। इसलिए किसी पूरे देश या समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को तस्करी से जोड़ना उचित नहीं होगा। वास्तविक चुनौती उन संगठित आपराधिक नेटवर्क को पहचानना और तोड़ना है जो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और समुद्री रास्तों का इस्तेमाल करते हैं।

गुजरात के समुद्री क्षेत्र में इस वर्ष हुई कार्रवाइयां समस्या की गंभीरता का संकेत देती हैं। भारतीय तटरक्षक बल के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार 16 फरवरी 2026 को गुजरात एटीएस के साथ संयुक्त कार्रवाई में करीब 203 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ ले जा रही एक नाव पकड़ी गई थी। इसके बाद मई में मुंद्रा बंदरगाह के निकट करीब 118.977 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई, जिसकी कीमत 1,189 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई। इस मामले में पुलिस के अनुसार खेप को 2025 में जहाज में छिपाया गया था। सितंबर की 526 किलोग्राम की कार्रवाई इन घटनाओं के बीच सबसे बड़ी हालिया बरामदगी में शामिल है।

इन आंकड़ों से यह समझना जरूरी है कि समुद्री मार्ग केवल सीमा की सुरक्षा का विषय नहीं है। समुद्र से आने वाला अवैध माल यदि तट तक पहुंच जाए तो उसके बाद उसका फैलाव कई राज्यों और शहरों तक हो सकता है। इसलिए समुद्र में निगरानी, बंदरगाहों की सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच और राज्यों के बीच समन्वय एक साथ मजबूत करना होगा। केवल एक खेप पकड़ लेने से समस्या समाप्त नहीं होगी। असली सफलता तब होगी जब तस्करी के पूरे आर्थिक और आपराधिक नेटवर्क को कानून के दायरे में लाया जाए।

नशे के खिलाफ लड़ाई का दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण पक्ष युवा पीढ़ी की सुरक्षा है। किसी भी समाज में मादक पदार्थों की मांग बनी रहेगी तो आपूर्ति रोकने के बाद भी नए रास्ते तलाशने वाले अपराधी सक्रिय रहेंगे। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, विद्यालय, महाविद्यालय, खेल संस्थान, सामाजिक संगठन और प्रशासन को मिलकर लगातार अभियान चलाना होगा। केवल भाषणों और पोस्टरों से काम नहीं चलेगा। युवाओं को खेल, कौशल विकास, रोजगार, रचनात्मक गतिविधियों और स्वस्थ सामाजिक वातावरण से जोड़ना होगा।

माता-पिता को बच्चों के व्यवहार में अचानक आने वाले गंभीर बदलावों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। संवाद का वातावरण ऐसा हो जिसमें बच्चा किसी गलत दबाव, डर या समस्या के बारे में परिवार से खुलकर बात कर सके। विद्यालयों में नशे के नुकसान को डर पैदा करने के बजाय वैज्ञानिक और स्वास्थ्यपरक तरीके से समझाया जाना चाहिए। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों में दिखाई देने वाले गंभीर व्यवहारिक बदलावों पर संवेदनशीलता से ध्यान देना चाहिए और जरूरत पड़ने पर अभिभावकों तथा विशेषज्ञ सहायता से जोड़ना चाहिए।

सरकार और प्रशासन के स्तर पर समुद्री निगरानी को अत्याधुनिक तकनीक से मजबूत करना, तटरक्षक बल, पुलिस, सीमा सुरक्षा एजेंसियों और केंद्रीय जांच एजेंसियों के बीच तत्काल सूचना साझा करना तथा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की वित्तीय कड़ियों की जांच करना जरूरी है। गुजरात जैसे लंबे समुद्री तट वाले राज्य में मछुआरा समुदाय भी सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। समुद्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद व्यवस्था जितनी मजबूत होगी, उतनी ही जल्दी सुरक्षा एजेंसियों तक जानकारी पहुंच सकेगी।

नशे की समस्या का स्थायी समाधान कठोर कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता में है। तस्करों के खिलाफ कानून का शिकंजा मजबूत होना चाहिए, लेकिन नशे की चपेट में आए युवाओं को केवल अपराधी के रूप में देखने के बजाय उपचार, परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था भी मजबूत करनी होगी। परिवारों को यह समझना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं है। समय पर सहायता मिलने से कई युवा अपना जीवन दोबारा सामान्य दिशा में ले जा सकते हैं।

अरब सागर में हुई 526 किलोग्राम की जब्ती सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता का प्रमाण है, लेकिन यह चेतावनी भी है कि चुनौती लगातार बनी हुई है। भारत को समुद्र से लेकर शहरों तक और सीमा से लेकर परिवार तक नशे के खिलाफ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करनी होगी। युवाओं को नशे से बचाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का साझा दायित्व है। सुरक्षित समुद्री सीमा और नशामुक्त युवा पीढ़ी–दोनों मिलकर ही मजबूत और स्वस्थ भारत की नींव तैयार कर सकते हैं।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करना ही श्राद्ध है

रमेश सर्राफ धमोरा

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है।

इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरूआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आशार्वाद प्राप्त होता है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।

पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे। श्राद्ध महिमा में कहा गया है- आयुः पूजां धनं विद्यां स्वर्ग मोक्ष सुखानि च। प्रयच्छति तथा राज्यं पितरः श्राद्ध तर्पिता।। - अर्थात जो लोग अपने पितरों का श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करते हैं, उनके पितर संतुष्ट होकर उन्हें आयु, संतान, धन, स्वर्ग, राज्य मोक्ष व अन्य सौभाग्य प्रदान करते हैं।

~~~~~~~~~

रबी में लगायें गेहूं

कमांड क्षेत्रों में दो फसल या आंशिक क्षेत्रों में तीन फसली कार्यक्रम के चलते आमतौर पर गेहूं की बुआई पिछड़ जाती है। पिछले 3 वर्षों से मानसून का मिजाज कुछ इस तरह बदला की खरीफ की प्रमुख फसल सोयाबीन की बुआई जुलाई की सीमा पारकर गई और उसकी कटाई में विलम्ब होने के कारण भूमि में नमी भी अपर्याप्त रह गई फलस्वरूप गेहूं की विलम्ब से बुआई करने की मजबूरी चुनौती बनकर उभरी, कपास, मिर्च, गन्ना काटने के बाद भी यही समस्या सामने रहती है।

इस तरह गेहूं की पिछेती बुआई का रकबा सितंबर तक बढ़ता ही जा रहा है। उत्पादन में आंशिक फर्क ही आ पाये इस लिये पिछली गेहूं की बुआई तकनीकी का प्रादुर्भाव हुआ जिसे कृषकों को अंगीकरण करना आज की आवश्यकता बन गई है।

बुवाई का उपयुक्त समय

25 दिसम्बर तक

किस्मों का चुनाव

पिछेती गेहूं के लिये गेहूं की किस्मों का चयन करते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए। पिछेती बुवाई के लिये उन किस्मों को बोना चाहिये जो कम समय में पकने वाली हों क्योंकि देरी से बुवाई करने पर पकते समय तापक्रम अधिक होने से पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः कम समय में पकने वाली किस्मों को बोने से स्थानीय तापक्रम बढ़ने से पहले पकने लग जायेगी तथा इसकी पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पिछेती गेहूं की बुवाई के लिये कई किस्मों को बोने की सिफारिश की गई है जिनमें राज 3777, राज 3765, राज 3077, एच.डी. 2285. एन.डी.2236, राज 2184, लोक-1, जी.डब्ल्यू.173, जी. डब्ल्यू. 273, एच.आई. 8498, डी. एल. 803, डीएल 788-2, आभा, जे.डब्ल्यू 4010, एम.पी. 1202 इत्यादि.

बीज एवं बुवाई

अधिक बीज दर रखने के कारण कतारों की दूरी कम करके 18-20 सेंटीमीटर रखना लाभदायक रहता है. पौधों के बीच की दूरी 6 से 8 सेन्टीमीटर तक रखी जाती है। परीक्षणों से ये ज्ञात हुआ है कि गेहूं की प्रचलित विधियों की अपेक्षा क्रास (आर-पार) बुवाई से उत्पादन में 4.5 क्विं./हेक्टे. वृद्धि हो जाती है। इस विधि को अपनाने पर पौधों के बीच की प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है। गेहूं की अधिक पैदावार लेने के लिये बीज की मात्रा व कतारों की दूरी इस प्रकार निर्धारित करनी चाहिए कि प्रति वर्ग मीटर 400-500 बाली युक्त पौधे प्राप्त किये जा सकें। बुवाई 4-5 सेन्टीमीटर की गहराई पर करना चाहिए।

पिछेती गेहूं में 130-200 किलो यूरिया, 250-280 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 33-40 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हैक्टेयर की आवश्यकता होती है। मिट्टी की उर्वराशक्ति तथा बोई जाने वाली किस्म की उत्पादकता तथा पिछेती गेहूं से पूर्व में ली गई फसल के अनुसार नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की मात्रा कुछ घटाई-बढ़ाई जा सकती है। तापक्रम कम होने के कारण मृदा में उपस्थित फास्फोरस की उपलब्धता कम हो जाने के कारण गेहूं की प्रारंभिक बढ़वार कम होती है इसलिये पिछेती गेहूं की अच्छी उपज लेने के लिये फास्फोरस का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है. जस्ते की कमी वाले क्षेत्रों में, विशेषकर धान-गेहूं फसल पद्धति अपनाई जाती हो, बुवाई से पूर्व प्रति हेक्टेयर 25 किलो जिंक सल्फेट या 10 किलो चिलेटेड जिंक नाइट्रोजन के साथ मिला कर दें।

जिन खेतों में मैंगनीज की कमी पायी जाये वहां बुवाई के समय 20 किलो मैग्नीज सल्फेट उर्वरकों के साथ ऊर कर दें. फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की भारी मिट्टी में आधी तथा हल्की रेतीली मिट्टी में एक तिहाई मात्रा बुवाई के समय ऊर कर दें। भारी मिट्टी के लिये शेष आधी मात्रा पहली या दूसरी सिंचाई के साथ दें। खड़ी फसल में नाइट्रोजन सामान्यतः पहली सिंचाई की अपेक्षा दूसरी सिंचाई के बाद देना लाभप्रद है।

हल्की मिट्टी में शेष बची दो तिहाई मात्रा में से एक तिहाई पहली सिंचाई तथा एक तिहाई दूसरी सिंचाई के साथ यूरिया उर्वरक के रूप में दें। पहली सिंचाई बुवाई के 25-27 दिन बाद दें। किंतु मध्य फरवरी के बाद तापमान बढ़ जाता है व बालियां निकलने के बाद से फसल पकने तक फसल को गर्म व कुछ तेज हवाओं का सामना करना पड़ता है जिससे फसल की जल मांग भी बढ़ जाती है साथ ही दूधिया अवस्था, फूल आने की अवस्था तथा दाना सख्त होने की अवस्था सिंचाई हेतु क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भूमि में पर्याप्त नमी का होना अति आवश्यक है। अतः इस समय सिंचाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा दाना पतला पड़ जाता है फलस्वरूप उपज कम होने का भय रहता है। इन चारों अवस्थाओं के अतिरिक्त गेहूं की कल्लों के अच्छी तरह निकल जाने की अवस्था तथा तने में गांठें बनने की अवस्था भी सिंचाई की दृष्टि से क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भी खेत में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए। सिंचाई हल्की करना चाहिए। विशेषकर फूल आने के बाद जिससे मार्च-अप्रैल में चलने वाली गर्म व तेज हवाओं से फसल आड़ी न गिर पाये। कुल मिलाकर पिछेती गेहूं में समय से बुवाई की अपेक्षा 1-2 अधिक सिंचाईयों की आवश्यकता होती है।

बीज दर- 125 किलो/हे.

बीजोपचार

गेहूं की फसल की बुवाई के समय 20-25 डिग्री सेल्शियस तापमान होना उपयुक्त रहता है। जिससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा फसल का जमाव अधिक व जल्दी होता है। किंतु दिसम्बर-जनवरी माह में पिछेती गेहूं की बुवाई के समय तापमान घटकर 10 डिग्री सैल्शियस के आसपास आ जाता है जिससे बीजों का अंकुरण धीरे होता है तथा पौधों का जमाव कम व देर से होता है। अतः बीजों का जल्दी अंकुरण प्राप्त करने, अंकुरण क्षमता बढ़ाने व कम तापमान से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए उपयुक्त बीजोपचार करना चाहिए।

परीक्षणों से पता चलता है कि 4-5 प्रतिशत पोटेशियम डाई सल्फेट या 0.1 प्रतिशत साइकोसिल या 2.5-3.0 प्रतिशत सोडियम क्लोराईड (साधारण नमक) के घोल में 18-24 घंटे डुबोकर बीज उपचार करने से न केवल बीजों के अंकुरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है बल्कि इससे पौधों का जमाव भी अधिक व जल्दी होता है। इसके अतिरिक्त पौधों में अधिक ठंड से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव के प्रति लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। उपरोक्त सभी कारणों से सामान्य बीज की अपेक्षा 2-3 क्विं. प्रति हेक्टेयर की उपज में वृद्धि होती है।

बीज जनित रोगों से बचाव हेतु दो ग्राम पारद फफूंदनाशी या थायरम या दो से ढाई ग्राम मेन्कोजेब प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित कर बुवाई के काम में लें। अनावृत कण्डुआ एवं पात कण्डुआ का प्रकोप हो वहां नियंत्रण हेतु वीटावेक्स या कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित करें।

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

चना फसल से बढ़ेगा उत्पादन

किस्म

जे.जी. 315

जवाहर 218

जे.जी. 130 जे.जी. 412

जे.जी.16 जे.जी.11 जे.जी. 74 1 आईसीसीव्ही.10(विजय) भारती

जे.जी.1

जे.जी.के.1

खेत की तैयारी

खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग

दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

उन्नतशील प्रजातियाँ

बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार

देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं

बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें। बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपज

परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

आरबीआई के नियमों से भारतीय बैंकों को हुआ 4,000 करोड़ की विदेशी मुद्रा का नुकसान

नई दिल्ली।

भारतीय बैंकों को 2026 की पहली छमाही में विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग बुक पर करीब 50 करोड़ डॉलर का मार्क-टू-मार्केट नुकसान उठाना पड़ा। एक रिसर्च के मुताबिक यह नुकसान भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से किए गए नियामकीय बदलावों के बाद बैंकों को अपनी विदेशी मुद्रा पोजीशन घटाने के लिए मजबूर होने के कारण हुआ। बाद में बाजार में स्प्रेड बढ़ने और पोजीशन सामान्य होने से बैंकों ने इस नुकसान में से करीब 40 करोड़ डॉलर की भरपाई कर ली है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह नुकसान आरबीआई के 27 मार्च के निर्देश के बाद हुआ, जिसके तहत अधिकृत डीलर बैंकों के लिए कारोबारी दिन के अंत में ऑनशोर रुपये से जुड़ी नेट ओपन पोजीशन की सीमा 10 करोड़ डॉलर तय कर दी गई थी। बैंकों को 10 अप्रैल तक अपनी पोजीशन घटानी पड़ी, जिसके चलते उनकी ट्रेडिंग बुक में तेज बदलाव देखने को मिला। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब रुपए में काफी उतार-चढ़ाव था। विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे थे और कंपनियों की ओर से मुद्रा जोखिम से बचाव की मांग अधिक थी। मार्केट स्ट्रक्चर एंड टेक्नोलॉजी के उपाध्यक्ष नितिन अगिचा ने कहा कि आरबीआई के नए नियमों को लागू करने के लिए मिला कम समय बैंकों को तेजी से अपनी पोजीशन घटाने या उनमें बदलाव करने के लिए मजबूर करने वाला था। बाद में बाजार में स्प्रेड बढ़ने से बैंकों को शुरुआती नुकसान की कुछ भरपाई करने में मदद मिली। आरबीआई ने 20 अप्रैल को अपने कुछ पुराने निर्देश वापस ले लिए और संबंधित पक्षों के बीच होने वाले लेनदेन के लिए सीमित छूट की अनुमति दी, जिससे बैंकों पर पड़ रहा कुछ परिचालन दबाव कम हुआ। कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक कंपटीटर रिसर्च एंड एनालिटिक्स के निदेशक ने कहा कि विदेशी मुद्रा कारोबार में हुआ नुकसान सिर्फ ग्राहकों की कमजोर गतिविधियों का नतीजा नहीं था, बल्कि आरबीआई के निर्देशों के कारण ट्रेडिंग रणनीति में आए अचानक बदलाव का परिणाम था।

एक्स-मिल कीमतों में करीब 28 फीसदी की आई कमी, घट सकते हैं चीनी के दाम

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को राहत मिली है। देश के खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमतों में अगस्त के उच्चतम स्तर की तुलना में करीब 15 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, एक्स-मिल कीमतों में करीब 28 फीसदी की कमी आई है। सरकार को उम्मीद है कि एक्स-मिल कीमतों में आई गिरावट का असर खुदरा बाजार में भी दिखाई देगा और चीनी के दाम और कम हो सकते हैं। चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए सरकार ने डीलरों के लिए नई स्टॉक सीमा लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत डीलर चीनी मिलने की तारीख से अधिकतम 15 दिन तक ही उसका स्टॉक रख सकेंगे। इसके अलावा किसी भी स्थान पर एक समय में 1,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी रखने की अनुमति नहीं होगी। यह व्यवस्था 15 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक रहेगी। हालांकि, कोलकाता और आसपास के महानगरीय क्षेत्रों और असम के लिए अलग व्यवस्था की गई है। इन क्षेत्रों में स्टॉक सीमा 2,000 क्विंटल रखी गई है। इसकी वजह वहां चीनी की आपूर्ति से जुड़ी भौगोलिक और परिवहन संबंधी चुनौतियां हैं। इन क्षेत्रों में चीनी की मांग पूरी करने के लिए यूपी, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों से आपूर्ति की जाती है।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गयीहैं। इस बार 19 किलो वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले व्यावासायिक उपयोग वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब दिल्ली में यह सिलेंडर 2,810 रुपये में मिलेगा, जबकि इससे पहले सितंबर माह में इसकी कीमत 2,747.50 रुपये थी। देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी ये सिलेंडर महंगा हुआ है। मुंबई में 19 किलो वाला सिलेंडर अब 2,764.50 रुपये, कोलकाता में 2,954 रुपये और चेन्नई में 2,983 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार, बेंगलुरु में इसकी कीमत 2,898 रुपये, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 2,932.50 रुपये और बिहार की राजधानी पटना में 3,100.50 रुपये तक पहुंच गई है।

वैश्विक संकट गहराने के साथ ही वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है-यूएन रिपोर्ट

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर की सरकारों के लिए उपभोक्ताओं को राहत देना लगातार कठिन होता जा रहा है। शुक्रवार को जारी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि के असर को कम करने के लिए सरकारें बड़े पैमाने पर सब्सिडी, मूल्य नियंत्रण (प्राइस कैप) और कर रियायतों जैसे उपायों का सहारा ले रही हैं। हालांकि बढ़ती ब्याज दरों, महंगे कर्ज और मौसम संबंधी जोखिमों के कारण इन उपायों को लंबे समय तक जारी रखना और मुश्किल होता जा रहा है। यूएनडीपी ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ महीने उन देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे जो ईंधन सब्सिडी और अन्य राहत उपायों के जरिए महंगाई से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने से कई देशों की सार्वजनिक वित्त व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। यूएनडीपी के मुख्य अर्थशास्त्री जॉर्ज ग्रे मोलिना ने कहा कि अगले कुछ सप्ताह और महीने अनिश्चितता से भरे रह सकते हैं, क्योंकि दुनिया एक साथ कई संकटों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि

वर्तमान स्थिति से बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा है। विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट में बताया गया है कि अप्रैल से सितंबर के बीच राहत उपाय अपनाने वाले देशों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि का असर अधिक व्यापक होता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सहायता कार्यक्रमों ने इस वर्ष अनुमानित 13 करोड़ लोगों को प्रतिदिन 6.85 डॉलर की गरीबी रेखा से नीचे जाने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तेल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश के प्रमुख महानगरों में पेट्रोल के दाम कुछ इस प्रकार हैं। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 से 102.15 रुपये के बीच बनी हुई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 103.50 से 103.54 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। पूर्वी महानगर कोलकाता में इसकी कीमत 113.46 से 113.51 रुपये प्रति लीटर दर्ज की गई है, जबकि दक्षिण के प्रमुख शहर चेन्नई में पेट्रोल 107.73 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि स्थानीय करों, वैट और परिवहन लागत के कारण अलग-अलग शहरों में और यहां तक कि एक ही शहर के विभिन्न हिस्सों में भी कीमतों में मामूली अंतर दिख सकता है। पेट्रोल की तरह ही डीजल के दामों में भी स्थिरता देखी जा रही है, जो कि उपभोक्ताओं के लिए एक अच्छी खबर है। शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में डीजल का दाम लगभग 95.20 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में ग्राहकों को एक लीटर डीजल के लिए 97.83 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। कोलकाता में डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 99.55 से 99.66 रुपये प्रति लीटर के आसपास बनी हुई है। यह स्थिरता ऐसे समय में आई है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और कई बार तेजी देखने को मिल रही है।खास बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, भारतीय घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दामों में मई 2026 के बाद से कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है।

नकली दवाओं पर रोक लागने बंद औषधि इकाइयों की मशीनरी नष्ट करने पर हुआ विचार

महिलाओं की मौत के बाद डीसीसी बैठक में राजस्थान औषधि नियंत्रण ने यह मुद्दा उठाया था

नई दिल्ली।

भारत की मुख्य औषधि नियंत्रक संस्था केंद्रीय औषधि मानक नियामक संगठन (सीडीएससीओ) नियमों का पालन नहीं करने वाली या बंद हो चुकी औषधि इकाइयों की मशीनरी को सही तरीके से नष्ट करने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। इससे नकली या प्रतिबंधित दवाएं बनाना रोका जा सकेगा। दरअसल, केंद्रीय औषधि नियामक को सलाह देने वाली औषधि परामर्श समिति (डीसीसी) की 18 सितंबर को हुई बैठक में राजस्थान औषधि नियंत्रण विभाग ने यह मुद्दा उठाया था।

डीसीसी ने इस प्रस्ताव पर चर्चा की। उसने यह राय व्यक्त की कि यदि कोई नियामकीय व्यवस्था बना दी जाए तब भी इसका कार्यान्वयन खराब नजर आता है। कार्यवाही के विवरण के मुताबिक 'समिति ने माना कि असरदार प्रणाली में औषधि मशीनरी की पूरी आपूर्ति श्रृंखला शामिल होनी चाहिए न कि सिर्फ बंद कारखानों की मशीनरी को नष्ट करना। इसके बाद डीसीसी ने राजस्थान के औषधि नियंत्रक से औषधि मशीनरी की पहचान, निर्माण या आपूर्ति, मालिकाना हक, स्थानांतरण, काम बंद करने और निपटान को शामिल करने वाला विस्तृत प्रस्ताव जमा करने को कहा है। प्रस्ताव में नई निगरानी प्रणालियां, संसाधनों पर असर और निपटान के बाद बेकार पड़ी मशीनरी की निगरानी जैसे अन्य पहलू भी शामिल होने चाहिए। फिर भविष्य में होने वाली की चर्चा के लिए डीसीसी के सामने रखा जा सकता है।

शेयर बाजार कम रकम से अमीर बनने का मौका,इसमें सावधानी बरतना जरूरी

-निवेशक के लिए सबसे पहला कदम शब्दों और अवधारणाओं को समझना होगा

नई दिल्ली।

शेयर बाजार हर किसी को कम रकम से निवेश शुरू करने और संपत्ति बनाने का मौका देता है। ट्रेडिंग के जरिए पैसा कमाने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए सबसे पहला कदम उन शब्दों और अवधारणाओं को समझना होना चाहिए, जिन्हें उसे निवेश के लंबे सफर में अक्सर सुनना पड़ेगा। बुनियादी शब्दों की जानकारी होने से शुरुआती निवेशकों को जोखिम समझने, निवेश के मौकों का आकलन करने और गलतियों से बचने में मदद मिलती है। यहां कुछ ऐसे ही अहम शब्द दिए गए हैं- आर्बिट्राज ऐसी रणनीति है, जिसमें निवेशक एक ही संपत्ति को अलग-अलग बाजारों में एक ही समय पर खरीदकर और बेचकर कीमत के अंतर से मुनाफा कमाता है।

बियर मार्केट वह स्थिति है जब शेयरों की कीमतें लंबे समय तक तेज गिरावट का सामना करती हैं और निवेशकों का भरोसा कम होता है। इसके विपरीत, बुल मार्केट वह दौर है, जब शेयरों की कीमतें लगातार बढ़ रही होती हैं और निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। बॉन्ड एक निश्चित आय वाला निवेश विकल्प है, जिसमें आप सरकार या किसी कंपनी को पैसा उधार देते हैं और बदले में नियमित अंतराल पर ब्याज मिलता है। शेयर किसी कंपनी में स्वामित्व को दर्शाता है, जिससे निवेशक को डिविडेंड और शेयर की कीमत बढ़ने से होने वाले मुनाफे का फायदा मिल सकता है।

आईपीओ वह प्रक्रिया है, जिसके जरिए कोई कंपनी पहली

बार अपने शेयर आम लोगों के लिए जारी करती है। लिक्विडिटी यह बताती है कि किसी एसेट को बाजार में उसकी कीमत पर असर डाले बिना कितनी आसानी से खरीदा या बेचा जा सकता है। मार्केट कैपिटलाइजेशन किसी कंपनी के शेयर बाजार में मौजूद कुल शेयरों की कुल कीमत होती है, जिससे कंपनी के आकार का पता चलता है। म्युचुअल फंड में कई निवेशकों से पैसा जुटाकर उसे शेयर, बॉन्ड और अन्य प्रतिभूतियों के अलग-अलग पोर्टफोलियो में निवेश किया जाता है, जिसे पेशेवर फंड मैनेजर संभालते हैं। प्राइस-टू-अर्निंग रेश्यो किसी कंपनी के शेयर की कीमत की तुलना उसके प्रति शेयर मुनाफे से करता है, जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि शेयर का मूल्यांकन ज्यादा है या कम।

टैरिफ के कारण लौट रही मैन्युफैक्चरिंग,बन रही नई फैक्ट्रियां और बढ़ रहे रोजगार-ट्रंप

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ नीतियों को अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग की नौकरियां और फैक्ट्रियां वापस लाने का श्रेय दे दिया है। उनका कहना है कि विदेशी कंपनियों से मिलने वाली प्रतिस्पर्धा से अमेरिकी उद्योगों को सुरक्षा देने की वजह से देश में मैन्युफैक्चरिंग फिर से तेज गति पकड़ी है। ट्रंप ने ट्रक निर्माता कंपनी के बढ़ते कारोबार का उदाहरण देकर कहा कि यह दिखाता है कि उनकी व्यापार नीतियां काम कर रही हैं। ट्रंप ने कहा, हमारे यहां पहले से ज्यादा फैक्ट्रियां बन रही हैं। आप बहुत अच्छा कर रहे हैं और ये कंपनियां भी अच्छा कर रही हैं। पूरे देश में फैक्ट्रियां और प्लांट बन रहे हैं। मैन्युफैक्चरिंग वापस आ रही है। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ की वजह से विदेशी कंपनियों के लिए अमेरिका में सामान बेचकर पैसा कमाना और अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां छीनना मुश्किल हुआ है। उन्होंने कहा कि वे अपना सामान यहां बेचते थे, पैसा लेकर चले जाते थे और आपके पास नौकरियां नहीं बचती थीं। लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं है। हमारी सरकार ने इस सिस्टम को बदल दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने दावा किया कि चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा तेजी से कम हुआ है। ट्रंप ने कहा, हमारी मजबूत टैरिफ नीति की वजह से इस साल अमेरिकी निर्यात हमारे देश के इतिहास में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है।

उन्होंने कहा, चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा गिरकर पिछले 44 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। ट्रंप ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कर्मचारियों की कमाई बढ़ी है और इस साल

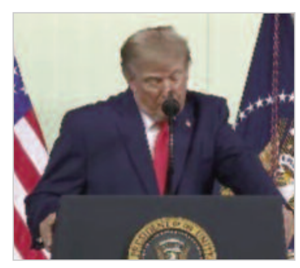

अमेरिका में 60,000 नई मैन्युफैक्चरिंग नौकरियां जुड़ी हैं। भारी ट्रकों का उत्पादन भी करीब 31 प्रतिशत बढ़ा है। ट्रंप ने कहा कि भारी ट्रकों की सप्लाई उनके प्रशासन के दौरान अमेरिकी इतिहास के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गयीहैं। इस बार 19 किलो वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले व्यवासायिक उपयोग वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब दिल्ली में यह सिलेंडर 2,810 रुपये में मिलेगा, जबकि इससे पहले सितंबर माह में इसकी कीमत 2,747.50 रुपये थी। देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी ये सिलेंडर महंगा हुआ है। मुंबई में 19 किलो वाला सिलेंडर अब 2,764.50 रुपये, कोलकाता में 2,954 रुपये और चेन्नई में 2,983 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार, बेंगलुरु में इसकी कीमत 2,898 रुपये, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 2,932.50 रुपये और बिहार की राजधानी पटना में 3,100.50 रुपये तक पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग सेवाओं और अन्य व्यवसायकि उपभोक्ताओं को प्रभावित करेगी।वहीं, आम जनता के लिए राहत की खबर यह है कि घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलो) के दाम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

जरूरत से ज्यादा खर्च करके फंस सकते हैं कर्ज में,50-30-20 का नियम अपनाएं

महीने के खर्च का औसत निकालकर हर कैटेगरी के लिए एक आसान बजट बनाएं

नई दिल्ली।

बजट के बिना वित्तीय स्थिति को संभालना मुश्किल होता है और व्यक्ति जरूरत से ज्यादा खर्च करके कर्ज में फंस सकता है। बजट बनाने के लिए सबसे पहले अपने सभी खर्चों को समझना जरूरी है। इन्हें आमतौर पर किराया, बिल, बीमा, कर्ज की किस्त और बदलने वाले जैसे किराना, यात्रा, मनोरंजन खर्चों में बांटा जाता है। कुछ खर्च ऐसे भी होते हैं जो हर महीने नहीं आते, लेकिन अचानक बड़ी रकम खर्च हो सकती है, जैसे घर की मरम्मत या कोई बड़ी खरीदारी। इन सभी खर्चों को एक जगह लिखने के लिए बजट ट्रैकर बनाना चाहिए। सबसे पहले अपनी कुल आय निकालें और उसमें से टैक्स काटकर पता करें कि हर महीने आपके पास कितनी रकम बचती है। फिर अपने सभी तय खर्चों को लिखें और उनका योग करें। इसके बाद बदलने वाले और कभी-कभी होने वाले खर्चों पर ध्यान दें, पिछले कुछ महीनों के खर्चों का औसत निकालकर हर कैटेगरी के लिए एक आसान बजट तय करें। साथ ही अचानक होने वाले खर्चों के लिए थोड़ी रकम अलग रखें। अंत में सभी खर्चों को जोड़कर देखें कि आपकी नेट इनकम में से कितनी रकम खर्च हो रही है। यदि खर्च आय से ज्यादा हैं, तो गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करें। अच्छी वित्तीय योजना के लिए वित्तीय विशेषज्ञ '50-30-20 नियम' का सुझाव देते हैं। इसके तहत शुद्ध आय का 50 फीसदी हिस्सा जरूरी या तय खर्चों जैसे-बिल, किराया, ईएमआई के लिए, 30 फीसदी आय इच्छाओं से जुड़े खर्चों जैसे-मनोरंजन, यात्रा के लिए और बाकी 20 फीसदी रकम बचत व निवेश के लिए रख सकते हैं। जब आपकी आय कम या ज्यादा होती है या अचानक खर्च बढ़ जाते हैं, तो बजट को दोबारा देखना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड काम आता है। आय कम होने या खर्च बढ़ने पर, अपने खर्चों को तीन हिस्सों में बांटना आसान रहता है-पहला, जरूरी खर्च, दूसरा-ऐसे खर्च जिन्हें कुछ समय के लिए टाला जा सकता है ।

नतीजों से पहले आईटी सेक्टर में तेज बिकवाली दर्ज

-टियर-2 कंपनियों में ग्रोथ की रफ्तार रह सकती है बेहतर

नई दिल्ली।

भारतीय आईटी सेक्टर कंपनियां सितंबर तिमाही के नतीजों जारी करने के लिए तैयार हैं। टीसीएस, एचसीएल टेक और इंफोसिस के नतीजों के साथ अर्निंग सीजन की शुरुआत हो जाएगी। नतीजों से पहले सेक्टर में तेज बिकवाली दर्ज की जा रही है, जिसकी वजह से निफ्टी आईटी इंडेक्स एक साल के हाई लेवल से करीब 30 फीसदी नीचे ट्रेड कर रहा है।

हालांकि अमेरिकी आईटी कंपनी एक्सेंचर के नतीजों के बाद सेक्टर के लिए अच्छे संकेत नजर आ रहे हैं, जिसने वित्त वर्ष 2027 के लिए 3 से 6 फीसदी रेवेन्यू ग्रोथ गाइडेंस दिया है। सितंबर तिमाही में घरेलू आईटी कंपनियों की कमाई पर ग्लोबल लेवल पर कस्टमर्स का सतर्क रुख और धीमी टेक्नोलॉजी खर्च का असर देखने को मिल सकता है। एआई से बदलते आईटी बिजनेस का भी प्रभाव रहेगा, जहां एआई पुराने सर्विस मॉडल के लिए चुनौती बना हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक टियर-1 आईटी कंपनियों की कॉन्स्टेंट करेंसी (सीसी) रेवेन्यू ग्रोथ करीब -1 फीसदी से 3.1 फीसदी के बीच रहने का अनुमान है। वहीं, टियर-2 कंपनियों में ग्रोथ की रफ्तार ज्यादा बेहतर रह सकती है। एचसीएल टेक, इंफोसिस और टेक महिंद्रा जैसी कंपनियां क्रमिक आधार पर बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं।

बिहार के मखाना को मिला अंतरराष्ट्रीय बाजार

ग्रीस के लिए 1 मीट्रिक टन खेप रवाना

नई दिल्ली ।

एपीडा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की सहायता से बिहार के पूर्णिया से 1 मीट्रिक टन (एमटी) पॉप्ड मखाना की खेप ग्रीस के लिए रवाना हुई है।

केंद्र सरकार ने बताया कि यह कदम बिहार के मखाना उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने और उनके लिए बेहतर आय के मौके पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह खेप इंडो ग्लोबल एक्सपोर्ट, बेलौरी (पूर्णिया) द्वारा स्रोतित की गई है और इसका निर्यात एस.एस. फूड्स एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से हो रहा है। यह खेप मुंद्रा बंदरगाह से ग्रीस के पिराएस पोर्ट तक भेजी जाएगी। केंद्र सरकार ने बताया कि इस निर्यात से मखाना उत्पादकों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ है। इससे संकेत मिलता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार बिहार के मखाना उत्पादकों के लिए अतिरिक्त आय और मूल्यवर्धन के महत्वपूर्ण मौके प्रदान कर सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मखाना उत्पादक देश है और देश के कुल उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 80-85 प्रतिशत है। बिहार राज्य के 10 जिलों में 35,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मखाना की खेती की जाती है, जिससे यह क्षेत्र हजारों किसानों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने 7,000 मीट्रिक टन से अधिक मखाना और मूल्यवर्धित मखाना उत्पादों का निर्यात किया, जिसकी कुल कीमत करीब 2.2 करोड़ डॉलर (22 मिलियन डॉलर) रही।

यह निर्यात 20 से अधिक देशों तक पहुंचा। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि निर्यात को प्रोत्साहित करने के मकसद से कृषि निर्यात नीति पर काम कर रही है।

इसके अलावा मखाना निर्यात मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए राज्य में पैकहाउस भी विकसित तैयार किए हैं।

भारत में डिजिटल की विकसित तकनीक को ग्लोबल बाजार में उतारेगी जियो रिलायंस

कंपनी ने कोर नेटवर्क, रेडियो, सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस तकनीकों को किया विकसित

नई दिल्ली।

भारत के टेलीकॉम बाजार में अपनी मजबूत स्थिति बनाने के बाद रिलायंस जियो अब वैश्विक तकनीकी बाजार में विस्तार की तैयारी कर रही है। जियो प्लेटफॉर्म्स ने संकेत दिया है कि कंपनी भारत में डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए विकसित की गई तकनीक को उत्पादों में बदलकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश करेगी। कंपनी का फोकस 5जी नेटवर्क तकनीक, एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डिवाइस और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों पर है। रिपोर्ट के मुताबिक जियो ने भारत में अपने नेटवर्क के लिए कोर नेटवर्क, रेडियो, नेटवर्क सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस जैसी तकनीकों को विकसित किया है। कंपनी का दावा है कि उसने इन तकनीकों को बड़े स्तर पर नेटवर्क में लागू किया है। अब इसी तकनीकी क्षमता को व्यावसायिक उत्पादों में बदलकर दूसरे देशों के बाजारों तक पहुंचाने की योजना पर काम किया जा रहा है। शुरुआत में जियो का मुख्य जोर ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को जोड़ने और किफायती मोबाइल डेटा उपलब्ध कराने पर था।

अब कंपनी का ध्यान डिजिटल प्लेटफॉर्म, सॉफ्टवेयर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और कंप्यूटिंग सेवाओं के विकास पर बढ़ रहा है। कंपनी का मानना है कि भारत में तैयार की गई तकनीक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उपयोग के लिए पेश किया जा सकता है। जियो ने 5जी कोर और नेटवर्क सॉफ्टवेयर के साथ रेडियो उपकरण भी विकसित किए हैं। कंपनी के मुताबिक इन्हीं तकनीकों की मदद से देश में बड़े पैमाने पर 5जी नेटवर्क का विस्तार किया गया। मार्च 2026 तक भारत में 26.8 करोड़ 5जी उपयोगकर्ता होने का दावा किया गया है। 31 मार्च 2026 तक जियो प्लेटफॉर्म्स और उसकी इकाइयों ने 4जी, 5जी, 6जी, एआई और क्लाउड जैसे क्षेत्रों में कुल 6,817 पेटेंट दाखिल किए थे।

रचा इतिहास

नेत्रा ने महिलाओं की डिंगी सेलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता

गामागोरी । भारत की सेलर नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। काइयोह यॉट हार्बर में दो रेस की फाइनल सीरीज के बाद नेत्रा ने 14 पॉइंट्स के साथ फिनिश किया। थाईलैंड की सोफिया मोंटगोमरी ने पांच पॉइंट्स के साथ गोल्ड जीता, जबकि सिंगापुर की जानिया एंग ने 13 पॉइंट्स के साथ सिल्वर जीता। एशियन गेम्स 2026 में भारत का सेलिंग में यह तीसरा मेडल है। इससे पहले पुरुषों की स्किफ में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर और महिलाओं की स्किफ में हर्षिता तोमर और शीतल वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। नेत्रा ने सप्ताह की शुरुआत में हुई क्वालीफिकेशन सीरीज से सात रीकैलकुलेटेड पॉइंट्स के साथ फाइनल में एंट्री की।

फाइनल 1 में नेत्रा छठे स्थान पर रहीं, लेकिन फाइनल 2 जीतकर (एक पॉइंट जोड़कर) जवाब दिया, जिससे वह ओवरऑल तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। नेत्रा 14 नेट पॉइंट्स (क्वालीफिकेशन सीरीज और फाइनल से सात-सात पॉइंट्स) के साथ हांगकांग की स्टेफनी नॉर्टन के बराबर रहीं, लेकिन पूरी सीरीज में बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड रखने के बाद टाई-ब्रेक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नेत्रा ने 2021 में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला सेलर बनकर इतिहास रचा था।

भारत के पुरुष क्वाड्रंट ने सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल जीता

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में नागोया सिटी मिजुहो पार्क जिम्नेजियम में शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में जापान से 0-2 से हारकर भारतीय पुरुष क्वाड्रंट टीम को सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। मालेमंगनबा सिंह सोरोखाइबाम, राम कुमार शर्मा, बॉबी कुमार और आकाश युमनाम (लोखोन सिंह एलांगबाम और टेकोंग अरुण सब्स) की भारतीय क्वाड्रंट सेमीफाइनल में युकी सातो, रयोटा हारुहारा, वतारू नारवा और योटा इचिकावा (सेया ताकानो और तोशिताका नाइतो सब्स) की जापानी क्वाड्रंट से 12-15, 13-15 के करीबी अंतर से हार गई। एशियाड में यह भारत का सेपक टकरॉ में सिर्फ तीसरा मेडल है। भारत ने 2018 जकार्ता गेम्स में पुरुषों की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और उसके बाद 2023 हांगझोऊ गेम्स में महिलाओं की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारतीय पुरुषों की टीम ने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में टॉप पर जगह बनाई। उसने लीग स्टेज में वर्ल्ड कप विनर म्यांमार को भी चौंका दिया था और वियतनाम और लाओस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इस बीच, भारतीय महिलाओं की टीम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई। वह अपने तीन मैचों में कोई जीत हासिल किए बिना ग्रुप ए में चौथे स्थान पर रही। महिलाओं के डबल्स में भारत अपने ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रहा और खेले गए तीनों गेमों में से एक भी गेम नहीं जीत पाया।

भारतीय पुरुषों की रेगु टीम भी नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रही और एक जीत और दो हार के साथ ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर रही।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स

रिकर्व मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत को सिल्वर, ओलंपिक कोटा से चूकी भारतीय टीम

ओकाजाकी । धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम मोहोद की मिक्स्ड रिकर्व आर्चरी टीम को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में चीन के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में हार के कारण सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। चीन ने गोल्ड मेडल जीतने के साथ ही लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया, जबकि दूसरे स्थान पर रही भारतीय टीम ओलंपिक कोटा पाने से चूक गई। रिकर्व तीरंदाजी में यह भारत का दूसरा मेडल है। महिला टीम ने शुक्रवार सुबह एशियन गेम्स में अपना पहला गोल्ड मेडल जीता। महिला टीम ने फाइनल में 10 बार की चैंपियन टीम दक्षिण कोरिया को हराया। मिक्स्ड टीम फाइनल में, भारत ने 9 और 8 के स्कोर से शुरुआत की, जबकि चीन ने 10 और 8 के स्कोर से जवाब दिया।

पुरुष रिकर्व टीम इवेंट में भारत को सिल्वर मेडल, फाइनल में दक्षिण कोरिया से मिली हार

ओकाजाकी । भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम को शुक्रवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में फाइनल में नौ बार की चैंपियन दक्षिण कोरियाई टीम ने हरा दिया। हार के कारण भारतीय टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में शामिल नीरज चौहान, यशदीप भोगे और धीरज बोम्मादेवरा की तिकड़ी को दक्षिण कोरिया की किम जे देओक, किम वूजिन और ली वूसोक की तिकड़ी ने 1-5 से हराया। पुरुषों के रिकर्व टीम इवेंट में यह भारत का लगातार दूसरा एशियन गेम्स सिल्वर मेडल है। भारतीय टीम को हांगझोऊ 2023 के फाइनल में भी दक्षिण कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था। ओलंपियन बोम्मादेवरा उस सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।

गीत के लिए खास है 3 अक्टूबर

1992 में जीता था विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब

नई दिल्ली । गीत सेठी का नाम भारत के प्रसिद्ध बिलियर्ड्स और स्नूकर खिलाड़ियों में शुमार है। 1990 के दशक में सेठी ने इस खेल में अपना दबदबा बनाया था। गीत सेठी का जन्म 17 अप्रैल, 1961 को दिल्ली में हुआ था। उनका पूरा नाम गीत श्रीराम सेठी है। अहमदाबाद में पले-बढ़े सेठी ने 13 साल की उम्र में बिलियर्ड्स खेलना शुरू किया था। गुजरात स्पोर्ट्स क्लब में उनकी मुलाकात उस समय के एक बहुत ही सफल बिलियर्ड्स खिलाड़ी सतीश मेनन से हुई और उन्होंने उनसे महत्वपूर्ण टिप्स और मार्गदर्शन लिया। उन्होंने पहली बार 1982 में इंडियन नेशनल बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में माइकल फरेरा को हराकर इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाई।

वनडे विश्वकप 2027 के ग्रुप घोषित, दो अक्टूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट, एक ही ग्रुप में भारत पाकिस्तान

बदले स्वरूप में होगा विश्वकप 2027

भारत-पाक एक ही ग्रुप में

विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और क्वालिफायर-ए की टीम होगी।

ग्रुप ए

- अफगानिस्तान
- भारत
- जिम्बाब्वे
- ऑस्ट्रेलिया
- पाकिस्तान
- क्वालिफायर-ए

ग्रुप बी

- बांग्लादेश
- दक्षिण अफ्रीका
- न्यूजीलैंड
- इंग्लैंड
- श्रीलंका
- क्वालिफायर-बी

क्वालिफायर-ए और क्वालिफायर-बी की टीमों के नाम बाद में तय होंगे। 2027 विश्व कप के लिए 10 टीमें सीधे अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं, जबकि बाकी स्थान क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से तय होंगे।

केपटाउन / नई दिल्ली। आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला 50 ओवर का यह विश्व कप दो अक्तूबर से 21 नवंबर 2027 तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी और तीन देशों के 12 वेन्यू पर 57 मुकाबले खेले जाएंगे। विश्व कप की शुरुआत नामीबिया की राजधानी विंडहोक में सुपर सीरीज के मुकाबलों से होगी, जबकि खिताबी मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। 2027 विश्व कप की सबसे बड़ी खासियत इसका बदला हुआ प्रारूप है। 2023 में 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेले थे, लेकिन इस बार 14 टीमों के टूर्नामेंट को सेमीफाइनल और फाइनल से पहले तीन चरणों में बांटा गया है। इनमें सुपर सीरीज, ग्रुप चरण और सुपर-7 शामिल हैं। इस बदलाव के चलते खिताब जीतने वाली टीम को फाइनल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग चरणों में कई मुकाबलों से गुजरना होगा।

दो अक्तूबर से सुपर सीरीज का आगाज

विश्व कप का पहला चरण सुपर सीरीज होगा। इसमें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के आधार पर सबसे निचली रैंकिंग वाली तीन टीमें हिस्सा लेंगी। तीनों टीमें राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इस चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम ही मुख्य ग्रुप चरण में पहुंचेगी, जबकि बाकी दो टीमों का विश्व कप अभियान समाप्त हो जाएगा। सुपर सीरीज की शुरुआत 2 अक्टूबर 2027 को विंडहोक से होगी।

ग्रुप चरण में 30 मुकाबले

सुपर सीरीज के बाद 12 टीमें मुख्य ग्रुप चरण में उतरेंगी। इन्हें दो ग्रुप में बांटा जाएगा और प्रत्येक ग्रुप में छह-छह टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी पांच टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेगी। इस चरण में कुल 30 मैच होंगे। दोनों ग्रुप से शीर्ष तीन-तीन टीमें सुपर-7 में पहुंचेंगी। इसके अलावा दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम को भी सुपर-7 में जगह मिलेगी। इस तरह कुल सात टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी।

2027 विश्व कप में 14 टीमें, 12 वेन्यू और 57 मैच

वनडे विश्व कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौट रहा है। दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे इससे पहले 2003 विश्व कप की मेजबानी कर चुके हैं, जबकि नामीबिया पहली बार पुरुषों के सीनियर वनडे विश्व कप के लिए मेजबान देश के रूप में सामने होगा। टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में कुल 12 वेन्यू तय किए गए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के आठ, जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया की राजधानी विंडहोक का एक वेन्यू शामिल है।

2023 और 2027 में क्या बदला?

- 2023 विश्व कप 10 टीमें शामिल थीं।
- सभी 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में मुकाबले खेले।
- प्रत्येक टीम ने नौ लीग मैच खेले।
- अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं।
- कुल 48 मैच खेले गए।
- 2027 विश्व कप टीमों की संख्या बढ़ाकर 14 कर दी गई है।
- शुरुआत तीन टीमों की सुपर सीरीज से होगी।
- सुपर सीरीज की विजेता मुख्य ग्रुप चरण में पहुंचेगी।
- 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा।
- ग्रुप चरण में 30 मुकाबले होंगे।
- दोनों ग्रुप से शीर्ष तीन-तीन टीमों के अलावा एक और टीम सुपर-7 में पहुंचेगी।
- सुपर-7 में सात टीमें 21 मुकाबले खेलेंगी।
- सुपर-7 की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी।
- कुल 57 मैच खेले जाएंगे।

सुपर-7 में होगा बड़ा मुकाबला

2027 विश्व कप के प्रारूप में सबसे बड़ा बदलाव सुपर-7 चरण है। इसमें सातों टीमें राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इस चरण में कुल 21 मैच खेले जाएंगे। सुपर-7 की अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पहले स्थान वाली टीम चौथे स्थान वाली टीम से भिड़ेगी, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम तीसरे स्थान वाली टीम के खिलाफ खेलेगी। दोनों सेमीफाइनल के विजेता फाइनल में खिताब के लिए आमने-सामने होंगे।

2023 विश्व कप में कैसा था प्रारूप?

भारत में खेले गए 2023 वनडे विश्व कप में कुल 10 टीमें शामिल थीं। सभी टीमों ने लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेला था। इस तरह प्रत्येक टीम ने नौ लीग मैच खेले और अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंची थीं। इसके बाद दो सेमीफाइनल और फाइनल के साथ टूर्नामेंट समाप्त हुआ था। यानी 2023 में नॉकआउट से पहले सिर्फ एक लीग चरण था। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को हराकर 2023 विश्व कप का खिताब जीता था।

रोहित-कोहली के लिए अहम होगा मौका

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए 2027 वनडे विश्व कप अंतरराष्ट्रीय करियर को एक और विश्व कप खिताब के साथ यादगार बनाने का आखिरी मौका हो सकता है। रोहित शर्मा ने 2024 टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत को याद करते हुए कहा था कि वह 50 ओवर के प्रारूप में भी उस अहसास को दोबारा महसूस करना चाहते हैं। रोहित ने कहा था कि भारत के लिए विश्व कप जीतना बेहद खास अहसास है। उन्होंने बताया कि उन्होंने टी20 प्रारूप में दो बार विश्व कप जीतने का अनुभव किया है। 2007 में वह महज 20 साल के युवा खिलाड़ी थे, जबकि 2024 में भारत ने लंबे अंतराल के बाद आईसीसी खिताब जीता। वहीं, विराट कोहली ने कहा कि 2027 विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा और यही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। कोहली ने कहा था कि वह मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देना चाहते हैं। उनका लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए वह हर संभव प्रयास करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच जीतना है।

10 अक्टूबर 2027

भारत-पाकिस्तान के बीच होगा मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 10 अक्टूबर 2027 को खेला जाएगा। विश्व कप के कार्यक्रम के सामने आने से पहले ही इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में खास उत्सुकता थी। दोनों टीमें ग्रुप ए में हैं और नए प्रारूप के तहत ग्रुप चरण में दोनों का आमना-सामना होना तय है। भारत-पाकिस्तान की विश्व कप प्रतिद्वंद्विता का रिकॉर्ड भी भारतीय टीम के पक्ष में रहा है। दोनों के बीच वनडे विश्व कप में अब तक आठ मुकाबले खेले गए हैं और भारत ने सभी आठ मैच जीते हैं। 2023 विश्व कप में अहमदाबाद में हुई पिछली भिड़ंत में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था। आईसीसी के मुताबिक यह विश्व कप में दोनों टीमों की आठवीं भिड़ंत थी और भारत ने सभी आठ मैच अपने नाम किए थे।

जापान मेरे लिए लकी है: लवलीना

मुझे जन्मदिन पर खुद को गिफ्ट देना था

निशियो । लवलीना बोरगोहेन ने शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में 75 किग्रा फाइनल में चीन की जियाई बाओ को हराकर गोल्ड मेडल जीता। यह गोल्ड मेडल बोरगोहेन के लिए यादगार है, क्योंकि यह उनके 29वें जन्मदिन पर आया है। लवलीना एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली मैरी कॉम के बाद गोल्ड जीतने वाली दूसरी महिला बॉक्सर बन गई हैं। लवलीना ने चीन की मुक्केबाज को 5-0 के सर्वसम्मत स्कोर से हराया। गोल्ड मेडल जीतने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। मैंने सोचा था कि मुझे अपने जन्मदिन पर खुद को गोल्ड मेडल गिफ्ट करना चाहिए। हार के बारे में एक सेकंड के लिए भी नहीं सोचा। यह बहुत मुश्किल फाइट थी। लेकिन मैं हमेशा सोच रही थी कि मुझे जीतना है।'

उन्होंने कहा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद ऐसा नहीं था। मैं सिल्वर मेडल जीतकर बहुत खुश थी। एक एथलीट की जिंदगी में बहुत सी चीजें होती हैं–हार और चोटें, जिन्हें हमें संभालना होता है और आगे बढ़ना होता है। यह गोल्ड मेडल मेरे लिए बहुत जरूरी था।' लवलीना ने 3-2 से करीबी शुरुआती राउंड जीतने के बाद बाउट में दबदबा बनाया। उन्होंने अगले दो राउंड 4-1 के समान अंतर से जीते और हांगझोऊ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने के बाद अपना दूसरा एशियन गेम्स मेडल जीता। पहले दो राउंड में आगे रहने के बाद 2026 एशियाड फाइनल में वह आखिरी राउंड में सावधान थीं। उन्होंने कहा, 'आखिरी राउंड बहुत मुश्किल था। विरोधी बहुत मजबूत थी। मैं उसके साथ पहली बार खेल रही थी। इसलिए मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि वह कैसे खेलेगी। मैं खुद को मोटिवेट कर रही थी कि मुझे जीतना है। मैं हारना नहीं चाहती, चाहे कुछ भी हो जाए। आखिरी राउंड भी ऐसा ही था। मैंने पहले दो राउंड जीते और मैं सोच रही थी कि मुझे तीसरा राउंड भी जीतना है।' लवलीना ने कहा, 'मैं एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने आई थी। मैंने खुद को मोटिवेट किया कि मुझे मजबूत रहना है और जीतना है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 4027

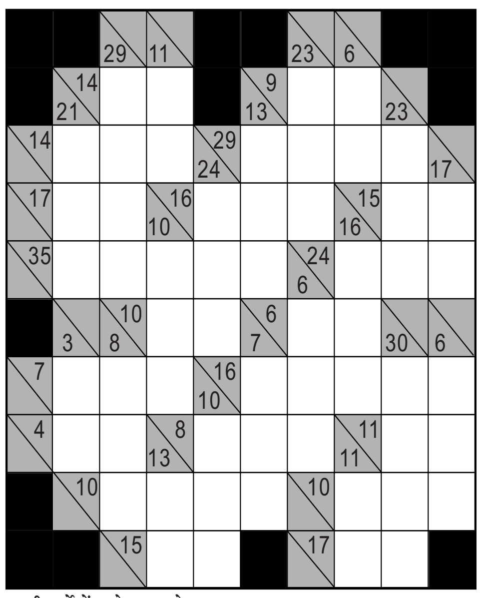

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

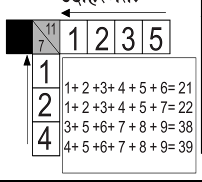

काकुरो - 4026 का हल

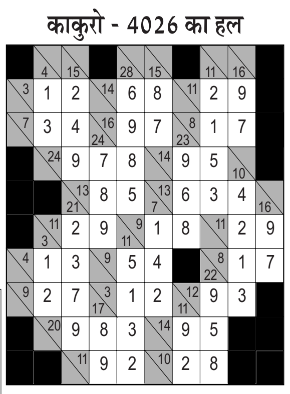

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली - 4027

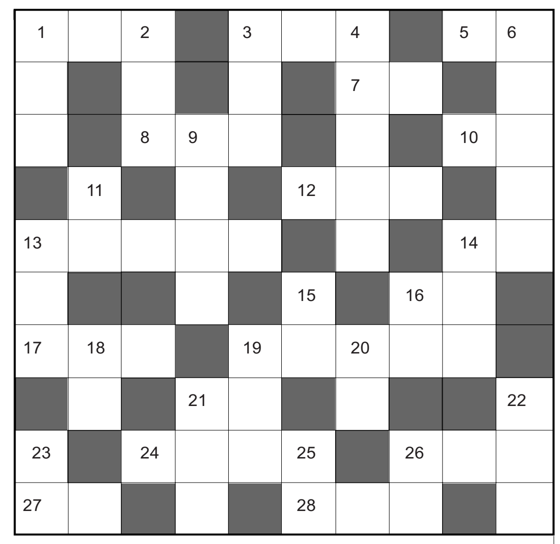

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नतून की 'रूक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4026

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		ड		रॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रे		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जी		ग		रा		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

सूडोकु -4027

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4026 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 4027

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -4026 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

काबुली चना अचार

सामग्री : 150 ग्राम काबुली चना, 1 टेबलस्पून नमक, 1 टीस्पून सरसों का पाउडर, 1 टेबलस्पून सौंफ, 1 टीस्पून कलौंजी, 1/4 टीस्पून हींग, आधा टीस्पून हल्दी, 1 टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर, 200 मिली। सरसों या तिल का तेल।

विधि : कच्चे आम के पानी में काबुली चना, हल्दी और नमक मिलाकर रातभर के लिए भिगोकर रख दें। सुबह उसमें सरसों पाउडर और हल्दी मिलाएं। सौंफ, कलौंजी और हींग मिलाकर एक साथ भून लें। इसे काबुली चना के मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से मिला लें। कड़ाही में तेल को गरम करें। फिर ठंडा होने के बाद उसमें काबुली चना का मिश्रण मिलाकर 8 घंटे के लिए रख दें।

खरीदारी करते समय...

- खरीदारी करने के लिए बार-बार न जाएं। बेहतर यही है कि शॉपिंग के लिए जाने से पहले आवश्यक वस्तुओं की सूची बना ली जाए और कोशिश करें कि माह में एक-दो बार में ही सारी वस्तुएं खरीद ली जाएं। इस तरह समय की बचत के साथ अनावश्यक खर्च भी कम होगा।
- बाजार में वस्तुओं के प्रचलित दामों के उतार-चढ़ाव पर नजर रखें। महंगी वस्तुओं की खरीदारी से पूर्व उनकी गुणवत्ता व मूल्य की जांच-पड़ताल कर लें।
- घर में आय-व्यय का संकलन रजिस्टर बनाएं, जिसमें खरीदी गई मुख्य वस्तुओं का विवरण दिनांक व मूल्य सहित अंकित करें। महंगी वस्तुओं की रसीद विक्रेता से अवश्य लें तथा उसे भी संकलन रजिस्टर में नत्थी करें।
- पारिवारिक आय को ध्यान में रखते हुए ही खरीदारी करें।
- खरीदारी करते समय यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि कहीं आपकी खरीदारी से घर-परिवार के जरूरी एवं आकस्मिक खर्चे जैसे बिजली, पानी, टेलीफोन के बिल, दूध, धोबी, अखबार वाले का भुगतान, बच्चों की फीस अथवा ट्यूशन आदि का भुगतान तो प्रभावित नहीं हो रहा?
- 'कम खर्च बालानंसी' को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक खरीदारी से बचें।
- बच्चों में बचत करने की आदत विकसित करें। आवश्यक जरूरतों को छोड़कर घर में ज्यादा नकदी न रखें। नजदीक के डाकघर या बैंक में ही बचत पास बुक खुलवाएं ताकि जरूरत पड़ने पर रूपये आसानी से निकलवाये जा सकें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	50%	Island Position	50%	Strip Advt.	15%
Front Page (Solus)	75%	Right Hand Page	10%	Political Advt.	50%
Back Page	25%	Top of AD Column	15%	Pull Outs	50%
Page Three	20%	Any Other Spl. Position	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

असल जिंदगी में सांपों से बेहद डरती हैं मौनी रॉय

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय टेलीविजन से बॉलीवुड तक का लंबा सफर ने तय किया है। छोटे परदे के 'नागिन' धारावाहिक में निभाया गया उनका किरदार उनके करियर की सबसे चर्चित भूमिकाओं में शामिल रहा। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। हालांकि, पर्दे पर सांपों से जुड़ा किरदार निभाने वाली मौनी रॉय ने हाल ही में अपने बारे में एक दिलचस्प बात बताई है। उन्होंने खुलासा किया कि वह असल जिंदगी में सांपों से बेहद डरती हैं। मौनी ने यह बात फराह खान के यूट्यूब व्लॉग में बातचीत के दौरान बताई। फराह खान अपने कुक दिलीप के साथ मौनी रॉय के नए घर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब सांपों और 'नागिन' धारावाहिक का जिक्र आया तो मौनी ने बताया कि बचपन से ही उन्हें सांपों से डर लगता है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि 'नागिन' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री को सांप पसंद होंगे, लेकिन उनके मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। मौनी ने अपने धारावाहिक के दिनों को याद करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें वास्तविक सांपों के साथ काम नहीं करना पड़ता था। ऐसे दृश्यों के लिए वीएफएक्स और डमी सांपों का इस्तेमाल किया जाता था। इसके बावजूद अगर सेट पर सांप जैसा कुछ भी दिखाई देता था तो वह घबरा जाती थीं। उन्होंने बताया कि सेट पर मौजूद लोग भी इस बात को लेकर उन्हें मजाक में चिढ़ाते थे कि वह खुद नागिन का किरदार निभा रही हैं और सांप से ही डरती हैं। 28 सितंबर 1985 को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में जन्मी मौनी ने टेलीविजन पर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उन्हें वर्ष 2007 में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से बड़ा अवसर मिला, जिसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया। इसके बाद 'कस्तूरी' और 'देवों के देव... महादेव' जैसे धारावाहिकों में नजर आईं। 'महादेव' में सती की भूमिका ने उनकी लोकप्रियता बढ़ाई। हालांकि, वर्ष 2015 में 'नागिन' से उन्हें बड़ी पहचान मिली। उन्होंने शिवन्या और शिवांगी की भूमिकाओं के जरिए दर्शकों का ध्यान खींचा।

नुसरत भरूचा बाली में हुईं हादसे का शिकार, अस्पताल में भर्ती

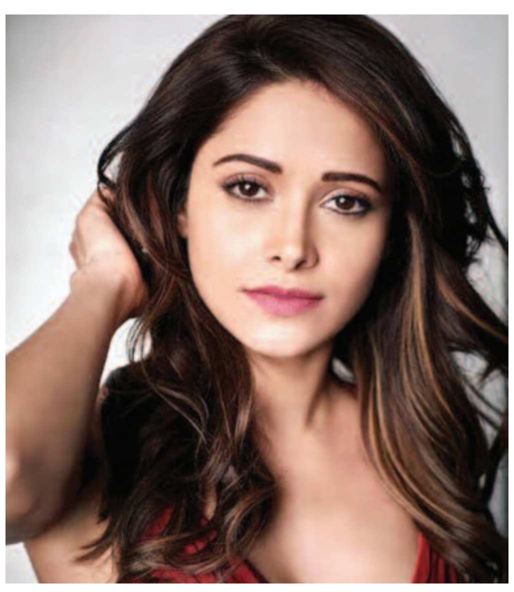

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा को लेकर एक चिंताजनक खबर सामने आई है। इंडोनेशियन द्वीप बाली में एक वर्क कमिटमेंट के सिलसिले में गई अभिनेत्री वहां एक दुर्घटना का शिकार हो गई हैं। दुर्घटना के बाद उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। खबरों के अनुसार नुसरत अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट के सिलसिले में बाली गई थीं और काम खत्म होने के बाद उन्होंने वहां अपना स्टे कुछ दिनों के लिए बढ़ा लिया था। इसी दौरान वे हादसे की शिकार हो गईं। अभी तक इस बात की जानकारी ठीक-ठीक नहीं लग पाई है कि उनका चोट कितना गंभीर है और किस तरह का हादसा उनके साथ हुआ है। इस खबर के सामने आते ही नुसरत के फैंस और बॉलीवुड सितारों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना शुरू कर दी है। एक तरफ जहां नुसरत के प्रशंसक उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी पेशेवर जिंदगी से एक बड़ी और उत्साहजनक खबर भी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नुसरत भरूचा ने बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ की आगामी ब्लॉकबस्टर फिल्म साइन कर ली है। नुसरत भरूचा बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और अभिनय के बल पर सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई है। 'प्यार का पंचनामा', 'सोनू के टीटू की स्विटी' और 'छोरी' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत को हाल ही में कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म 'उफ़ ये सियापा' में अभिनेता सोहम शाह के साथ देखा गया था।

बॉलीवुड के गानों ने दिखाया अभिनेत्री बनने का सपना: शरवरी वाघ

अपने अभिनय करियर की शुरुआत अभिनेत्री शरवरी वाघ ने पर्दे के सामने आने से पहले सहायक निर्देशक के तौर पर की थी। शरवरी वाघ अब रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री शरवरी ने अपने अभिनय के सफर और बॉलीवुड से अपने पुराने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। शरवरी ने बताया कि बॉलीवुड के गाने, संगीत और नृत्य ने बचपन से ही उनके भीतर अभिनेत्री बनने का सपना पैदा किया था। शरवरी के मुताबिक, वह बचपन से बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों और उनमें नजर आने वाले कलाकारों से प्रभावित रही हैं। उन्होंने माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर दीवाना' और करिश्मा कपूर तथा सोनाली बेंद्रे को 'मैय्या यशोदा' जैसे लोकप्रिय गीतों में देखा था। इन गानों को देखते हुए वह घर पर खुद भी उनके स्टेप करने की कोशिश करती थीं।

शरवरी ने बताया कि वह कई बार खुद को कल्पना में उन अभिनेत्रियों की जगह रखती थीं और सोचती थीं कि एक दिन वह भी बड़े पर्दे पर इसी तरह दिखाई देंगी। अभिनेत्री का कहना है कि बचपन के यही अनुभव धीरे-धीरे बॉलीवुड के प्रति उनके लगाव की वजह बने। उनके लिए फिल्मों की दुनिया सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रही, बल्कि संगीत, नृत्य, रोमांस और भावनाओं से जुड़ा एक ऐसा अनुभव रही, जिसने उन्हें लगातार आकर्षित किया। शरवरी ने कहा कि क्लासिक बॉलीवुड गीतों में कहानी को गाने और नृत्य के माध्यम से आगे बढ़ाने का अंदाज उन्हें हमेशा पसंद रहा है। 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर भी शरवरी काफी उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि सूरज बड़जात्या की फिल्म के साथ उस तरह के पारंपरिक बॉलीवुड को जीने का अवसर मिलना उनके लिए खास अनुभव है, जिसे देखते हुए वह बड़ी हुई हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, फिल्म के जरिए उन्हें उस दौर की भावनाओं और रोमांस को पर्दे पर महसूस करने का मौका मिल रहा है, जिसके प्रति वह बचपन से आकर्षित रही हैं। फिल्म का शीर्षक गीत हाल ही में जारी किया गया है, जिसमें कहानी और कलाकारों की हल्की झलक देखने को मिली है। फिल्म में शरवरी पहली बार आयुष्मान खुराना के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

विद्या बालन और पति सिद्धार्थ रॉय कपूर की केमिस्ट्री की हो रही खूब तारीफ

हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन और उनके पति सिद्धार्थ रॉय कपूर का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा है। एयरपोर्ट के इस वीडियो में सिद्धार्थ अपनी पत्नी विद्या को सी-ऑफ करने पहुंचे थे, जहां टर्मिनल के बाहर कपल ने पैपराजी के लिए मुस्कुराते हुए पोज दिए और फिर एक-दूसरे को गले लगाकर और किस करके विदा ली। उनका यह रोमांटिक अंदाज अब फैंस के बीच खूब चर्चा में है। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया, और फैंस ने इस प्यारे पल पर जमकर प्रतिक्रियाएं दीं। सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में इस कपल की केमिस्ट्री की खूब तारीफ की। कई फैंस ने उन्हें बेस्ट बॉलीवुड कपल और अडोरेबल बताया, वहीं कुछ ने उनसे गुजारिश की कि वे साथ में अक्सर पब्लिक में दिखा करें क्योंकि वे एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। फैंस की खुशी इस बात से भी जाहिर हो रही थी कि आमतौर पर मीडिया की चकाचौंध से दूर रहने वाले इस कपल का यह अनसीन रोमांटिक पल उनके लिए एक खास ट्रीट था। विद्या बालन और सिद्धार्थ रॉय कपूर की शादी 14 दिसंबर 2012 को मुंबई में हुई थी। शादी से पहले दोनों ने कुछ साल तक एक-दूसरे को डेट किया था।

विद्या ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि फिल्ममेकर करण जौहर ने उनकी मुलाकात कराने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद एक पार्टी में दोनों की मुलाकात हुई और उनका रिश्ता आगे बढ़ा। यह कपल अपनी शादीशुदा जिंदगी को काफी निजी रखना पसंद करता है, इसलिए यह सार्वजनिक प्रदर्शन उनके प्रशंसकों के लिए और भी खास बन गया। सिद्धार्थ रॉय कपूर फिल्म प्रोड्यूसर और मीडिया इंडस्ट्री के जाने-माने नाम हैं। वह रॉय कपूर फिल्म्स के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, और इससे पहले वह द वॉल्ट डिज्नी कंपनी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर भी रह चुके हैं। उनकी प्रोडक्शन कंपनी ने पिप्पा, तुमसे ना हो पाएगा, आरण्यक और रॉकेट बॉयज जैसे सफल प्रोजेक्ट दिए हैं। इसके अलावा, वह दंगल, चेन्नई एक्सप्रेस, बर्फी!, काई पो चे! और हैदर जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के प्रोडक्शन से भी जुड़े रहे हैं।

मां बनने से नहीं है परहेज; रिलेशनशिप पर श्रुति हसन ने की बात

अभिनेत्री श्रुति हासन अपने निजी जीवन को फैंस से दूर ही रखती हैं। उनकी दोस्ती या डेटिंग को लेकर ज्यादा खबरें फैंस को नहीं मिलती। मगर हाल ही में सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर एट्रेस ने अपनी शादी के बारे में कई बातें कही।

शादी पर क्या बोलीं श्रुति हासन?

बीते दिनों श्रुति हासन सोहा अली खान के पॉडकास्ट के पॉडकास्ट में मेहमान बनकर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने अपनी शादी पर बात करते हुए कहा, 'मुझे साथ बहुत पसंद है। लेकिन मैंने अपना पूरा जीवन इस तरह से जिया है कि मैं किसी सांचे में फिट नहीं बैठती। अजीब बात है कि मैं कुछ मामलों में बहुत पारंपरिक हूं और कुछ अन्य मामलों में मेरा दृष्टिकोण काफी रूढ़िवादी है, लेकिन ऐसा इसलिए है योंकि किसी ने मुझे इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए मजबूर नहीं किया।

मां बनना चाहती हैं एक्ट्रेस

आगे बातचीत के दौरान श्रुति हासन ने कहा, 'मुझे इस बात की खुशी है कि मैं और मेरा पार्टनर हर दिन एक-दूसरे को चुनते हैं, लेकिन कागजी कार्रवाई की वजह से नहीं। यही मेरा डर है। वरना, और कुछ नहीं। मैं शादी के बहुत करीब आ गई थी, और जब बात शादी तक पहुंची तो मुझे उतना डर नहीं लगा। मैं ज्यादा खर्च करने वालों को शर्मिंदा नहीं कर रही, लेकिन यह बात मुझे हमेशा परेशान करती है। दान में दे दो, मैं गोद लेने के लिए तैयार हूं, मैं सच में सिर्फ मां बनना चाहती हूं, लेकिन मैं इसे अपने जैविक स्वरूप के विस्तार के रूप में भी आजमाना चाहूंगी।'

श्रुति हासन का वर्कफ्रंट

साल 2025 में श्रुति हासन को आखिरी बार फिल्म 'कुली' में देखा गया था। एट्रेस विजय सेतुपति के साथ 'ट्रेन' में अभिनय करती नजर आएंगी। यह फिल्म 2026 के अंत में रिलीज हो सकती है। वहीं दुलकर सलमान के साथ 'आकाशमलो ओका तारा' भी उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा है। एसएस राजामौली की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'वाराणसी' के एक गाने में श्रुति ने अपनी आवाज भी दी है।

पिता और पुत्र की सोच हमेशा एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं: अमिताभ

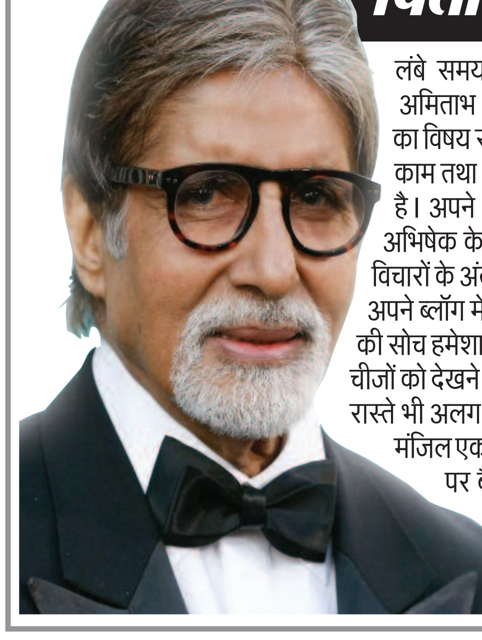

लंबे समय से बेटे अभिषेक बच्चन से उनके पिता अमिताभ बच्चन का रिश्ता प्रशंसकों की दिलचस्पी का विषय रहा है। कई मौकों पर दोनों ने एक-दूसरे के काम तथा विचारों को लेकर अपनी राय भी साझा की है। अपने ब्लॉग के जरिए अब अमिताभ बच्चन ने अभिषेक के साथ अपने रिश्ते और दो पीढ़ियों के बीच विचारों के अंतर को लेकर कुछ बातें लिखी हैं।

अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने कहा कि पिता और पुत्र की सोच हमेशा एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं है। दोनों का चीजों को देखने का नजरिया अलग हो सकता है और उनके रास्ते भी अलग हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी मंजिल एक हो सकती है। उन्होंने लिखा कि एक ही मंच पर बैठे पिता और पुत्र के विचार भले ही अलग हों, लेकिन अंतिम उद्देश्य एक हो सकता है। अमिताभ बच्चन ने नई पीढ़ी के प्रति अपने सम्मान की बात भी कही। उन्होंने कहा कि विचार और रास्ते अलग होने के बावजूद मंजिल एक हो सकती है। उनके अनुसार, हर रास्ते का उद्देश्य ऐसी मंजिल तक पहुंचना होना चाहिए, जो सभी के लिए बेहतर और लाभकारी हो। उन्होंने अपने और अभिषेक के रिश्ते को एक-दूसरे को समझने, जानने और समय के साथ एक-दूसरे को खोजने की प्रक्रिया के रूप में भी बताया।

महानायक ने अपने संदेश में प्यार और सम्मान को रिश्ते का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उनकी इस टिप्पणी को पिता-पुत्र के संबंधों के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है, जहां दो अलग पीढ़ियों की सोच के बावजूद पारिवारिक जुड़ाव कायम रहता है। अमिताभ के अनुसार, मतभेद रिश्ते की मजबूती में बाधा जरूरी नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे को समझने का अवसर भी बन सकते हैं। अमिताभ बच्चन फिलहाल लोकप्रिय टेलीविजन क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' की मेजबानी कर रहे हैं। यह कार्यक्रम ब्रिटिश प्रारूप 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' का आधिकारिक

हिंदी रूपांतरण है। शो में प्रतियोगियों से सामान्य ज्ञान और विभिन्न विषयों से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। उन्हें प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प दिए जाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर लाइफलाइन का इस्तेमाल करने का अवसर भी मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में सुबह-सुबह कांपी धरती : 5.3 तीव्रता का आया भूकंप

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 रही। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 6:59 बजे आया। इसका केंद्र अफगानिस्तान में 35.981 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 68.700 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। भूकंप की गहराई जमीन से करीब 126 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

भारत दौरे पर आएंगे नेपाल के पीएम शाह, तारीख तय नहीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह जल्द भारत की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि, उनकी आधिकारिक यात्रा की तारीख अभी तय नहीं हुई है। नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर मीडिया संग यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों देश प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा को अर्थपूर्ण और नतीजे देने वाली बनाने के पक्ष में हैं।

फ्लाईदुबई विमान चाकूबाजी : इस्राइल के नागरिक ने कैसे सीखा प्लेन चलाना? पीएम नेतन्याहू मिलने पहुंचे तो खुद बताया

येरुशलम, एजेंसी। यूएई से इस्राइल जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक पायलट पर कथित तौर पर चाकू से हमला किया गया और विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। इस दौरान यात्रियों ने हिम्मत दिखाते हुए कॉकपिट में घुसकर हमलावर को काबू किया और विमान को संभालने में मदद की। इस घटना के बाद विमान को सऊदी अरब की ओर मोड़ दिया गया, जहां उसने सुरक्षित लैंडिंग की। घटना में अहम भूमिका निभाने वाले यात्री यानिव हयून ने बुधवार को तेल अवीव एयरपोर्ट पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी वीडियो में प्रधानमंत्री यानिव हयून को गले लगाते और उन्हें 'हीरो' बताते नजर आए। मुलाकात के दौरान हयून ने खून से सनी शर्ट पहनी हुई थी। हयून ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि एक पायलट पर हमला हुआ है, तो उन्होंने अन्य यात्रियों के साथ मिलकर कॉकपिट में पहुंचने की कोशिश की। घायल पायलट कॉकपिट के दरवाजे से दबा हुआ था, जिससे अंदर जाना मुश्किल हो रहा था। हयून के मुताबिक, जब वह कॉकपिट के अंदर पहुंचे तो पायलट अपनी सीटों पर नहीं थे। एक पायलट जमीन पर था, जबकि दूसरा पैनल पर था। उन्होंने बताया कि कथित हमलावर विमान के नियंत्रण से जुड़े उपकरणों के पास था और ऐसा लग रहा था कि वह विमान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। हयून ने हमलावर को पीछे से पकड़कर काबू किया और उसे कॉकपिट के नियंत्रण वाले हिस्से से दूर खींच लिया। इसके बाद उन्होंने विमान को दोबारा नियंत्रण में लाने में मदद की।

पाकिस्तानी मौलाना ने हूतियों को बताया आतंकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच तनाव अपने चरम पर है। इसी बीच एक पाकिस्तानी मौलाना के बयान ने इस युद्ध को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया। पाकिस्तानी मौलाना के मुताबिक हूती आतंकवादी हैं और उनका इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है। मौलाना के इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पाकिस्तान उलेमा काउंसिल के प्रमुख हाफिज मुहम्मद ताहिर अशरफी सऊदी अरब में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हूतियों का इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है। अशरफी ने हूतियों को आतंकवादी बताया। इसके अलावा उन्होंने सऊदी अरब की सुरक्षा को पाकिस्तान के लिए रेड लाइन बताया और कहा कि पाकिस्तान की सरकार, सेना, उलेमा और जनता सऊदी अरब के साथ खड़ी है। हाफिज मुहम्मद ताहिर अशरफी ने सऊदी अरब और हूतियों के बीच चल रही जंग को लेकर कहा कि यह शिया और सुन्नी के बीच का युद्ध नहीं है और न ही यह दो देशों के बीच की जंग है। अशरफी ने कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच रक्षा समझौते की तारीफ करते हुए इसे तीनों देशों के लिए महत्वपूर्ण बताया।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर की एयरस्ट्राइक: दो घरों पर बरसीं मिसाइलें, नौ की मौत; महिलाएं और बच्चे भी घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में पाकिस्तानी सैन्य कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। तालिबान के प्रवक्ता जुबैहुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया है कि पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक में कम से कम नौ अफगान नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए हैं। मुजाहिद के मुताबिक, बुधवार रात अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाया गया। हमले में तीन मकान भी तबाह होने का दावा किया गया है।

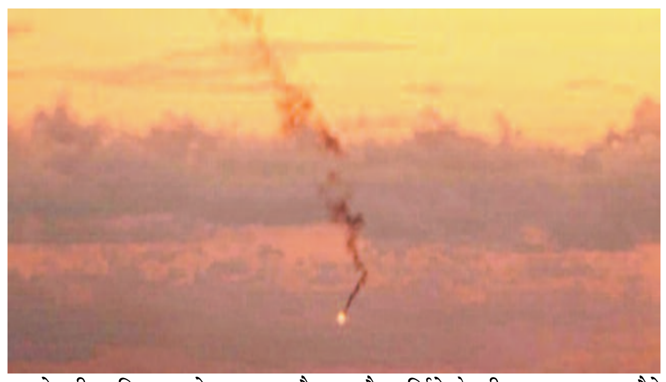

कुनार और हेलमंद में नागरिक इलाकों पर हमला : तालिबान प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि कुनार के शुल्तान जिले के चुगाम इलाके और हेलमंद के गरमसर जिले के सफर इलाके में पाकिस्तानी विमानों ने हवाई हमले किए। उनके अनुसार, इन हमलों में नौ अफगान नागरिक मारे गए और 11 अन्य घायल हुए। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। तीन घरों के नष्ट होने की भी बात कही गई है।

हाल के दिनों में कई इलाकों में हमले : अफगानिस्तान में यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान की ओर से कई अफगान प्रांतों में हवाई हमलों की खबरें सामने आई हैं। 24 सितंबर को कंधार, पक्तिया और खोस्त में हुए पाकिस्तानी हमलों में चार नागरिकों के मारे जाने का दावा किया गया था। इससे तीन दिन पहले कुनार और पक्तिका में हुए हमलों में तीन लोगों की मौत की बात सामने आई थी। इस तरह हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

तालिबान ने पाकिस्तान पर लगाए गंभीर आरोप : तालिबान प्रवक्ता जुबैहुल्लाह मुजाहिद ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान पर अफगानिस्तान में हमलों के जरिए अपने देश की आंतरिक समस्याओं से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया था। कंधार के एक धार्मिक मदरसे में बोलते हुए मुजाहिद ने दावा किया था कि पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं और घरेलू विरोध-प्रदर्शनों के बीच वहां की सरकार अफगानिस्तान पर हमलों के जरिए लोगों का ध्यान दूसरी ओर ले जाना चाहती है। हालांकि, ये आरोप तालिबान पक्ष की ओर से लगाए गए हैं। मक्का समझौते का भी उठाया मुद्दा मुजाहिद ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए रक्षा समझौते का भी जिक्र किया। तीनों देशों ने 7 अगस्त को मक्का में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत किसी एक सदस्य देश पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति में उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। मुजाहिद ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमलों के जरिए इस समझौते से बचने और खुद को अफगानिस्तान के साथ युद्ध में दिखाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने पाकिस्तान पर पड़ोसी देश की सीमा का उल्लंघन कर अपनी कथित नाकामियों से लोगों का ध्यान हटाने का आरोप भी लगाया।

तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी : तालिबान प्रवक्ता ने पाकिस्तान की कार्रवाई के खिलाफ अफगानिस्तान की ओर से 'उचित जवाब' देने की चेतावनी भी दी है। उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई को दबाव बनाने की कोशिश बताया। फिलहाल दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच नागरिक इलाकों पर हमलों को लेकर स्थिति पर नजर बनी हुई है। पाकिस्तान का दावा- आतंकी ठिकानों पर हमला किया, 22 लड़ाके मरे पाकिस्तान का दावा है कि गुरुवार को उसने दो जगहों पर आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 22 लड़ाके मारे गए। हालांकि जबीहुल्लाह मुजाहिद ने हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने गलत किया है। यह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है और इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। अफगानिस्तान ने कहा- पाकिस्तान सब्र का इम्तिहान न ले पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तालिबान सरकार के मंत्री नूरुल्लाह नूरी ने पाकिस्तान को अफगानों के सब्र का इम्तिहान न लेने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान का इतिहास याद रखना चाहिए, जहां सोवियत संघ और अमेरिका जैसी बड़ी ताकतें भी युद्ध के बाद सफल नहीं हो सकीं। पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव बढ़ा पाकिस्तान का कहना है कि हाल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के लड़ाकों ने अफगानिस्तान के पक्तिया और नंगरहार प्रांतों से पाकिस्तान में घुसपैठ की कोशिश की। इसके बाद सीमा पर दोनों पक्षों के बीच गोलाबारी हुई। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान से ड्रोन भी भेजे गए, जबकि तालिबान सरकार ने इन आरोपों से इनकार किया।

ईरान हार मान लेगा, डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा, होर्मुज को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति और ईरान में जुबानी जंग तेज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान हार मान लेगा और दावा किया कि अमेरिका ने पिछले कुछ दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक तेल निकाला है। उन्होंने यह बयान मंगलवार को अमेरिकी टेक जगत के दिग्गजों के साथ एक लंच मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए दिया। ट्रंप ने इस दौरान मीटिंग के दौरान एक संघीय आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए अर्टीफिशियल इन्टेलिजेन्स से जुड़ा एक अहम बदलाव करने की घोषणा की। ट्रंप ने अमेरिका में आधिकारिक तौर पर अर्टीफिशियल इन्टेलिजेन्स का नाम बदलकर सुपर इन्टेलिजेन्स कर दिया है। अब अमेरिका के सरकारी दस्तावेजों में अर्टीफिशियल इन्टेलिजेन्स को आधिकारिक तौर पर सुपर इन्टेलिजेन्स बोला और लिखा जाएगा।

ईरान हार मान लेगा: डोनाल्ड ट्रंप : टेक दिग्गजों के साथ मीटिंग के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया से ईरान युद्ध को लेकर बात करते हुए कहा कि, वे हार मान लेंगे हमने पिछले कुछ दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक तेल निकाला है, ट्रंप ने कहा। इस बीच, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर अमेरिका और अन्य देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो कोई भी बुनियादी ढांचा सुरक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने यह बयान एक सार्वजनिक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया। जिसमें उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और जहाजों के आवागमन के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले के बयानों का जिक्र किया।

सच सब जानते हैं ट्रंप के दावों का : बगेर गालिबफ ने कहा, भ्रमित अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और उससे जहाजों के गुजरने के बारे में जो बयानबाजी किया है, वह पहले किए गए दावों का दोहराव है, और इन भ्रामक दावों की सच्चाई सभी को पता है। उन्होंने आगे कहा, अमेरिकियों और अन्य देशों दोनों को यह पता होना चाहिए। जैसा कि हमने पहले कहा था, जिस क्षेत्र में हम तेल नहीं बेचते हैं, वहां कोई भी तेल नहीं बेचेगा, और यदि हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती है, तो कोई भी बुनियादी ढांचा सुरक्षित नहीं रहेगा।

ईरान से प्रतिबंध हटाने को तैयार है अमेरिका : इसी बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतिम समझौते के हिस्से के रूप में ईरान को प्रतिबंधों में राहत देने और जमे हुए धन को जारी करने के लिए तैयार हैं , लेकिन केवल तभी जब तेहरान परमाणु मुद्दे पर ठोस प्रगति की पेशकश करे, क्योंकि मध्यस्थ दोनों देशों को बातचीत की मेज पर वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

एलन मस्क संभालेंगे अमेरिका की भविष्य की जंग का मोर्चा: पेंटागन ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

क्वांटिको, एजेंसी। अमेरिका ने भविष्य के युद्ध की बदलती तकनीक और सैन्य जरूरतों का आकलन करने के लिए नई पहल शुरू की है। इसमें टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क, रक्षा तकनीक कंपनी एंड्यूरिल के सह-संस्थापक पामर लकी और अमेरिका के पूर्व हाउस स्पीकर न्यूट गिंगरिच को अहम जिम्मेदारी दी गई है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक 'प्रोजेक्ट मेरिडियन' के तहत अगले 120 दिनों में यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि आने वाले वर्षों और दशकों में अमेरिकी सेना को किन हथियारों, तकनीकों और सैन्य क्षमताओं की जरूरत होगी।

धरती के नीचे से चंद्रमा के आगे तक युद्धक्षेत्र : अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने वर्जीनिया के क्वांटिको स्थित मरीन कॉर्प्स बेस में स्टेट ऑफ द फोर्स संबोधन के दौरान इस पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि परियोजना का उद्देश्य नई रणनीति या नीतियां तैयार करना नहीं, बल्कि उन क्षेत्रों की पहचान करना है जिन पर अमेरिका को नियंत्रण स्थापित करना होगा और उन सैन्य क्षमताओं को विकसित करना होगा जिनमें उसे महारत हासिल करनी होगी।हेगसेथ के मुताबिक, परियोजना के तहत ऐसे हथियारों और सैन्य प्रणालियों की पहचान, विकास और तैनाती पर ध्यान दिया जाएगा, जिनकी भविष्य के अमेरिकी सैनिकों को जरूरत पड़ सकती है। संभावित युद्धक्षेत्र धरती के नीचे से लेकर चंद्रमा से आगे तक हो सकते हैं। पेंटागन के तकनीकी प्रमुख एमिल माइकल इस परियोजना की निगरानी करेंगे। मस्क, पामर लकी और न्यूट गिंगरिच इसके सह-प्रमुख होंगे।

इनके साथ सरकार, उद्योग, अकादमिक क्षेत्र और नीति विशेषज्ञों की टीम भी काम करेगी।इस पहल में मस्क और लकी की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनकी कंपनियां पहले से अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ बड़े कारोबार में शामिल हैं।स्पेसएक्स को मई में अमेरिकी स्पेस फोर्स ने हवाई खतरों की निगरानी और उन्हें निशाना बनाने में सक्षम उपग्रहों के निर्माण के लिए 4.16 अरब डॉलर का अनुबंध दिया था।

ब्रिटिश पीएम का दावा: 'वायुसेना अड्डे के पास संदिग्ध आतंकी घटना में ईरान की भूमिका', जांच में क्या मिला?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन का मानना है कि दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक गांव में रॉयल एयर फोर्स के अड्डे के पास हुई घटना में ईरान की भूमिका थी। इस घटना की जांच देश की आतंकवाद रोधी पुलिस कर रही है। रविवार को पांच ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। सभी की उम्र 20 साल के आसपास है। पुलिस को विलफोर्ड गांव में एक सूचना मिली थी। यह गांव रॉयल एयर फोर्स के फेयरफोर्ड अड्डे के पास है। सूचना मिलने के बाद पुलिस वहां पहुंची थी। इसके बाद पांचों लोगों को गिरफ्तार किया गया। बाद में सभी को जमानत पर छोड़ दिया गया।

बर्नहम ने क्या बताया : इस अड्डे पर बड़ी संख्या में अमेरिकी वायुसेना के जवान और अभियान मौजूद हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संदिग्धों को जमानत दिए जाने पर सवाल उठाया है। बर्नहम ने पत्रकारों से कहा, इस बात के मजबूत संकेत हैं कि ईरान की इसमें भूमिका थी। फिर भी यह पुलिस की एक जटिल और बेहद गंभीर जांच है। इसलिए इस समय मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने बताया कि उन्होंने सोमवार को कैबिनेट कार्यालय में आपात बैठक की अध्यक्षता की थी। इसे कोबरा बैठक कहा जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात की पुष्टि होने का इंतजार कर रही थी कि वह क्या जानकारी सार्वजनिक कर सकती है। अब सरकार यह पुष्टि कर सकती है कि उसका मानना है कि ईरान की इसमें भूमिका थी। ईरान पहले ही इस घटना में किसी भी तरह की भूमिका से साफ इनकार कर चुका है। लंदन स्थित ईरानी दूतावास ने इसे 'ईरान को लेकर डर फैलाना' बताया था। पांचों संदिग्धों को जमानत क्यों मिली बर्नहम से पूछा गया कि मामले की गंभीरता के बावजूद गिरफ्तार किए गए पांच लोगों को जमानत क्यों दी गई। इस पर उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि रिहा किए जाने का मतलब वैसा नहीं है, जैसा आम तौर पर समझा जाता है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को जमानत की बेहद कड़ी शर्तों के साथ छोड़ा गया है। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारी मामले पर पूरी तरह नजर रख रहे हैं। उनके पास इस पर कड़ा नियंत्रण है। उन्होंने लोगों को इसका भरोसा भी दिलाया। इस बीच, 'द टाइम्स' ने खबर दी कि गिरफ्तार किए गए पांच संदिग्धों में से एक ने घटना से करीब एक घंटे पहले खुद अधिकारियों से संपर्क किया था। ब्रिटेन की आतंकवाद रोधी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मंगलवार को पुलिस ने कहा कि अड्डे के पास रोकी गई गाड़ियों में कोई विस्फोटक उपकरण नहीं मिला। हालांकि, पुलिस को गाड़ियों से कुछ मात्रा में पेट्रोल मिला है।

जिम्बाब्वे में हेलिकॉप्टर क्रैश, चर्चित बिजनेसमैन समेत 6 की मौत

मरोनडेरा , एजेंसी। जिम्बाब्वे के मरोनडेरा इलाके में बुधवार को 6 लोगों को लेकर जा रहा हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे के बाद उसमें आग लग गई। हेलिकॉप्टर में 4 यात्री और 2 क्रू मेंबर सवार थे। हादसे में सभी 6 लोगों की मौत हो गई।

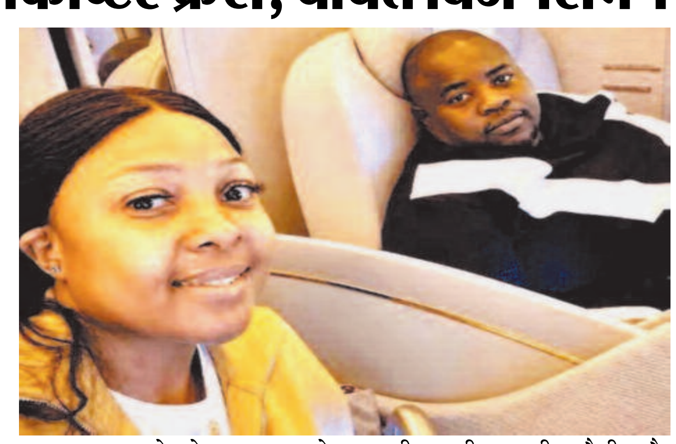

मरने वालों में 43 साल के चर्चित बिजनेसमैन विकनेल चिवायो और उनकी पत्नी लूसी मुतेके भी शामिल हैं। चिवायो को राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा का करीबी माना जाता था। पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचकर शवों की पहचान में जुटे हैं। हेलिकॉप्टर राजधानी हरारे से करीब 70 किलोमीटर पूर्व मरोनडेरा इलाके में गिरा। पुलिस को हादसे की जानकारी बुधवार शाम करीब 5 बजे मिली। हादसा किस वजह से हुआ, यह अभी साफ नहीं है। पुलिस मामले की जांच करेगी। आलीशान लाइफस्टाइल को लेकर मशहूर थे चिवायो विकनेल चिवायो इंट्राट्रेक जिम्बाब्वे के संस्थापक थे। यह कंपनी एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट्स में काम करती थी। चिवायो ग्वांडा सोलर प्रोजेक्ट जैसे सरकारी ठेकों को लेकर भी चर्चा में रहे। वे अपनी आलीशान जीवनशैली और सोशल मीडिया पोस्ट के लिए भी जाने जाते थे। चिवायो महंगी कारों और लग्जरी हेलीकॉप्टरों के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करते थे। राष्ट्रपति समेत कई बड़े नेताओं से थी चिवायो की नजदीकी चिवायो के कारोबार और राजनीतिक संबंधों को लेकर भी समय-समय पर सवाल उठते रहे थे। वे सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति मनांगाग्वा के साथ अपनी मुलाकातों की तस्वीरें और वीडियो शेयर करते थे। वे दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो, तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन और इस्वातिनी के किंग मस्वाती III समेत कई बड़े नेताओं से भी मिल चुके थे। कारोबार को लेकर भी उठे सवाल चिवायो के कारोबार को लेकर जिम्बाब्वे और आसपास के देशों में सरकारी ठेकों और चुनावी फंडिंग से जुड़े आरोप लगे थे। उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया था। वे मशहूर हस्तियों, धार्मिक नेताओं, राजनेताओं और सोशल मीडिया फॉलोअर्स को महंगी गाड़ियां और कैश गिफ्ट देने के लिए भी जाने जाते थे।

मेयर से पीएम पद तक का शानदार सफर... मोरक्को में इतिहास रचने वाली हैं फातिमा मंसूरी?

रबात , एजेंसी। मोरक्को के शाही महल ने देश के नए प्रधानमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा की है। राजा मोहम्मद 6 ने फातिमा एज्जाहरा अल मंसूरी को सरकार का नया प्रमुख नियुक्त किया है। 23 सितंबर के संसदीय चुनावों के छह दिन बाद 29 सितंबर को यह ऐतिहासिक फैसला आया।

अल मंसूरी की पार्टी पीएएम चुनाव में 97 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वे मोरक्को की पहली और पूरे अरब जगत की दूसरी महिला प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच चुकी हैं। पेशे से वकील और पूर्व मंत्री अल मंसूरी अब नई गठबंधन सरकार बनाने की तैयारी में जुटी हैं।

चुनावी नतीजे और बहुमत के लिए गठबंधन सरकार की चुनौती मोरक्को की 395 सीटों वाली संसद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 23 सितंबर को मतदान हुआ था। चुनाव नतीजों में अल मंसूरी की पार्टी पीएएम ने 97 सीटें जीतकर पहला स्थान पाया। नेशनल रैली ऑफ इंडिपेंडेंट्स 66 सीटों से दूसरे और इस्तिकलाल पार्टी 65 सीटों से तीसरे स्थान पर रही। वहीं जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी ने चुनाव में 54 सीटें हासिल कीं। संसद में स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा 198 सीटों का है, जिससे पीएएम पार्टी अभी काफी दूर है। इसलिए फातिमा अल मंसूरी को सरकार बनाने के लिए दूसरी सहयोगी पार्टियों से गठबंधन करना होगा। अजीज अखन्नौच की पार्टी RNI और इस्तिकलाल पार्टी से गठबंधन की बातचीत की संभावना है। सभी दलों को एक साथ लाकर स्थायी सरकार बनाना उनकी पहली बड़ी प्रशासनिक परीक्षा होगी। शुरुआती

जीवन, कानून की पढ़ाई और माराकेश की पहली महिला मेयर 50 वर्षीय फातिमा एज्जाहरा अल मंसूरी का जन्म एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार में हुआ था। उनके पिता अब्देर्रहमान अल मंसूरी संयुक्त अरब अमीरात में मोरक्को के राजदूत थे। अल मंसूरी ने फ्रांस की मोंटपेलियर यूनिवर्सिटी से कानून में एडवांस्ड डिप्लोमा किया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से बिजनेस लॉ में डिप्लोमा हासिल किया। कानूनी शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने वकालत से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2008 में जब ऑथेंटिसिटी एंड मॉडर्निटी पार्टी बनी तो वे इसकी संस्थापक सदस्य बनीं। वर्ष 2009 में वे 35 साल की उम्र में माराकेश शहर की पहली महिला मेयर चुनी गईं। वर्ष 2021 में वे दोबारा माराकेश की मेयर बनीं और फिर राष्ट्रीय सरकार में आवास मंत्री बनीं। नई सरकार के सामने 2030 फीफा वर्ल्ड कप और आर्थिक विकास की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री के रूप में अल मंसूरी के सामने कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां हैं। मोरक्को वर्ष 2030 में स्पेन और पुर्तगाल के साथ फीफा वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी करेगा। विश्व कप के लिए स्टेडियम, हाईवे और रेल जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पूरे करने होंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को बताया 'हीरो'

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को 'हीरो' बताया है। ट्रंप ने उस घटना के बारे में बताया, जिसमें इजरायल जा रही एक उड़ान के दौरान कथित तौर पर को-पायलट ने कैप्टन मच्छार को चाकू मार दिया था। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद वह कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस घटना को लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से काफी देर तक बात की। हालांकि, ट्रंप ने कई बार यह भी साफ किया कि उन्हें घटना के बारे में जो जानकारी मिली है, उसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। व्हाइट हाउस में फ्लाईदुबई के विमान के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक अविश्वसनीय कहानी है। लेकिन, मैंने इस घटना के बारे में नेतन्याहू से काफी देर तक बात की। '

ट्रंप के मुताबिक, उन्हें बताया गया कि 'को-पायलट शायद आतंकवादी था या शायद सनकी था और उसने पायलट को चाकू मार दिया। उन्होंने कहा, 'पायलट की हालत बहुत खराब थी और मुझे लगता है कि अब भी काफी खराब है। लेकिन, गंभीर हालत में भी उसने किसी तरह दरवाजा खोलने की सूझबूझ दिखाई। यह हैरान करने वाला था। वह एक हीरो है। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें

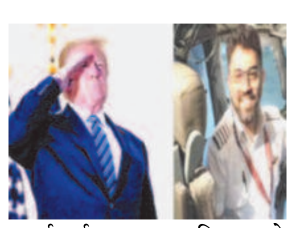

बताई गई घटना का विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि वे दरवाजे मजबूत स्टील के होते हैं। उन्हें बाहर से नहीं खोला जा सकता। वह पीछे की ओर गिरते हुए किसी तरह दरवाजा खोलने और चिल्लाने में कामयाब रहा।

ट्रंप के मुताबिक, विमान के आगे की तरफ बैठा एक इजरायली प्लंबर अंदर से आ रही आवाज सुनकर कॉकपिट में पहुंचा। उस समय विमान बहुत तेजी से नीचे की ओर जा रहा था।

उन्होंने दावा किया, 'विमान अविश्वसनीय रूप से तेज कोण पर नीचे जा रहा था। वह इतना तेज था कि विमान के पिछले हिस्से का रडर टूट गया। विमान इतनी रफ्तार के लिए बना ही नहीं था। ट्रंप के मुताबिक, उस यात्री ने कथित हमलावर को सीट से खींचकर हटाया, जिसके बाद दूसरे यात्रियों ने उसे काबू कर लिया। ट्रंप ने कहा कि उस यात्री ने पहले कभी विमान नहीं उड़ाया था, इसके बावजूद उसने कंट्रोल संभाला और विमान को दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले सीधा करने में मदद की।

हालांकि, घटना के बारे में यह जानकारी देने के तुरंत बाद ट्रंप ने साफ किया कि वह इसकी सच्चाई की पुष्टि नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अब, यही कहानी मैंने सुनी है। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं, लेकिन यही कहानी मुझे नेतन्याहू से मिली है।

ट्रंप ने बताया कि उस यात्री ने बाद में कहा कि वह टीवी कार्यक्रम 'एयर डिजास्टर्स' देखता था और उसी से उसने विमानों के बारे में कुछ जानकारी हासिल की थी। वह उस शो को देखकर एक तरह से विमान उड़ाना सीख गया था। मेरा मतलब है, आप ही बताइए, यह कितनी अजीब कहानी है। ट्रंप ने कहा कि बाद में विमान में मौजूद दूसरे पायलट और सुरक्षा कर्मचारी कॉकपिट में पहुंचे और विमान का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। मुझे लगता है कि यह सबसे हैरान करने वाली कहानी है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या को-पायलट विमान को दुर्घटनाग्रस्त करना चाहता था, तो उन्होंने फिर साफ किया कि उसके मकसद के बारे में अभी पक्की जानकारी नहीं है।

फ्लाईदुबई की यह उड़ान बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही थी, जब कॉकपिट में हिंसक घटना हुई। इसके बाद विमान को सऊदी अरब के ताबुक में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। घायल कैप्टन की पहचान भारतीय नागरिक स्मित मच्छार के रूप में की गई है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)